हिन्दुस्तान एकता

राष्ट्रीय हिन्दी/साप्ताहिक RNI-HRHIN/26/A1127

वर्ष: 07, अंक: 01, पृष्ठ: 04, कैथल, मूल्य: रुपए. 01/- बुधवार 04 मार्च 2026 E-mail: Info@hindustanekta.com

गुणवत्ता के मामले में किसी प्रकार का समझौता नहीं: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत को मिले वैश्विक अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता न केवल अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होनी चाहिए, बल्कि उनसे बेहतर भी होनी चाहिए। गुणवत्ता के मामले में किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आर्थिक विकास को बनाए रखना और मजबूत करना विषय पर आयोजित बजट उपरांत वेबिनार को संबोधित करते हुए उद्योग जगत से अनुसंधान एवं विकास में निवेश बढ़ाने तथा गुणवत्ता पर विशेष ध्यान

देने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि आज जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं पुनर्गठित हो रही हैं और भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था विश्व की आशा बनी हुई है, तब देश के लिए अधिक निर्माण, अधिक उत्पादन, अधिक संपर्क और अब अधिक निर्यात की दिशा में आगे बढ़ना आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत ने अनेक देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं, जिससे नए अवसरों के द्वार खुले हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए उद्योगों को अन्य देशों की आवश्यकताओं और वहां के उपभोक्ताओं की अपेक्षाओं का गहन अध्ययन करना होगा तथा उपयोगकर्ता अनुकूल उत्पाद विकसित करने होंगे।

उन्होंने उद्योग, वित्तीय संस्थानों और राज्य सरकारों से समन्वित प्रयासों के माध्यम से जमीनी स्तर पर परिवर्तन लाने का आह्वान किया।

बजट प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर अनेक महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए: पीएम मोदी

नई दिल्ली। पीएम ने कहा कि आधारभूत संरचना और परिवहन तंत्र देश की विकास रणनीति के प्रमुख स्तंभ हैं और बजट में पूंजीगत व्यय का रिकॉर्ड प्रावधान इन प्राथमिकताओं को सशक्त करने के लिए किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि गत सप्ताह बजट वेबिनार श्रृंखला का पहला आयोजन अत्यंत सफल रहा और बजट प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर अनेक महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए। उन्होंने बड़ी संख्या में विशेषज्ञों और हितधारकों की भागीदारी को लोकतांत्रिक विमर्श का सफल प्रयोग बताया।

उन्होंने कहा कि विनिर्माण और उत्पादन बढ़ाने, लागत ढांचे को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने, निवेश के प्रवाह को तेज करने तथा देश के दूरस्थ क्षेत्रों के विकास पर विशेष ध्यान देना होगा। प्रधानमंत्री ने बजट में घोषित बायोफार्मा शक्ति मिशन का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य भारत को जैविक औषधियों और अगली पीढ़ी की चिकित्सा के क्षेत्र में वैश्विक केंद्र बनाना है। उन्होंने स्वच्छ प्रौद्योगिकी में निवेश और कार्बन अवशोषण, उपयोग एवं भंडारण मिशन जैसी पहलों के माध्यम से सतत विकास को व्यापार की मूल रणनीति का हिस्सा बनाने पर भी बल दिया।

कैथल-ढांड रोड फोरलेन बनाने की मंजूरी

कलासो देवी

पूंडरी। विधानसभा में पूंडरी विधायक सतपाल जाम्बा द्वारा उठाए गए मुद्दे के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कैथल-ढांड रोड को फोरलेन बनाने की मंजूरी दे दी है। विधायक ने सदन में कहा कि यह सड़क क्षेत्र की प्रमुख जीवनरेखा है और रोजाना हजारों वाहनों के गुजरने से यहां जाम और दुर्घटनाओं की समस्या बनी रहती है, इसलिए इसका चौड़ीकरण जरूरी है। मुख्यमंत्री द्वारा मंजूरी मिलने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। विधायक सतपाल जाम्बा ने कहा कि सड़क के फोरलेन बनने से यातायात सुगम होगा, दुर्घटनाएं कम होंगी और क्षेत्र के व्यापार व विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही मांग थी।

दयालु योजना में मृत्यु या दिव्यांगता पर मिलती है 1 से 5 लाख तक मदद

कलासो देवी

कैथल। डीसी अपराजिता ने बताया कि दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना (दयालु) आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है। इस योजना के तहत जिन परिवारों की वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये तक है, उनके किसी सदस्य की मृत्यु या स्थायी दिव्यांगता होने पर सरकार आर्थिक सहायता प्रदान करती है। डीसी ने बताया कि योजना के तहत आयु के अनुसार 1 लाख रुपये से लेकर 5 लाख रुपये तक की सहायता राशि दी जाती है। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को संकट के समय आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा देना है, ताकि परिवार को सहारा मिल सके। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए मृतक या दिव्यांग व्यक्ति की आयु 6 से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए। घटना होने के तीन महीने के भीतर परिवार को आवेदन करना अनिवार्य है।

सरकार ने आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन रखा है, जिससे पात्र परिवार आसानी से आवेदन कर सकें। डीसी ने लोगों से अपील की कि किसी भी तरह की धोखाधड़ी से बचने के लिए एजेंटों के झांसे में न आएं और केवल आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से ही आवेदन करें।

अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 0172-2996024 या ईमेल के जरिए संपर्क किया जा सकता है।

आयु के अनुसार मिलती है सहायता राशि

6 से 12 वर्ष: 1 लाख रुपये
12 से 18 वर्ष: 2 लाख रुपये
18 से 25 वर्ष: 3 लाख रुपये
25 से 45 वर्ष: 5 लाख रुपये
45 से 60 वर्ष: 3 लाख रुपये

ऐसे करें आवेदन

www.dapsy.finhry.gov.in, वेबसाइट पर जाएं
PPP आईडी नंबर दर्ज करें
ओटीपी वेरिफाई कर लॉगिन करें
जरूरी जानकारी भरकर फॉर्म सबमिट करें।

पश्चिम एशिया तनाव: शांति का रास्ता संवाद से ही निकलेगा: राहुल गांधी

नई दिल्ली । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता जताते हुए कहा कि यह हालात पूरे क्षेत्र को बड़े संघर्ष की ओर धकेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तनाव से करोड़ों लोग, जिनमें लगभग एक करोड़ भारतीय भी हैं, असुरक्षा और अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में कहा कि संप्रभुता का उल्लंघन करने वाले हमले संकट को और गहरा करेंगे। उन्होंने अमेरिका-इजराइल की ओर से ईरान पर किए गए हमलों और ईरान द्वारा

अन्य मध्य-पूर्वी देशों पर किए गए हमलों की निंदा की। उन्होंने कहा कि हिंसा से केवल हिंसा ही जन्म लेती है और शांति का रास्ता संवाद और संयम से ही निकल सकता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत को नैतिक रूप से स्पष्ट होना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय कानून तथा मानव जीवन की रक्षा के लिए साफ-साफ बोलने का साहस दिखाना चाहिए। भारत की विदेश नीति संप्रभुता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान पर आधारित है और इसे लगातार उसी दिशा में रहना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि इस समय की चुप्पी भारत की वैश्विक साख को कमजोर कर रही है।

भारत को नैतिक रूप से स्पष्ट होना चाहिए: राहुल गांधी

राहुल गांधी ने आगे कहा कि ईरान पर एकतरफा हमले, साथ ही ईरान द्वारा अन्य मध्य पूर्वी देशों पर किए गए हमले, दोनों की निंदा की जानी चाहिए। हिंसा से हिंसा ही उत्पन्न होती है-संवाद और संयम ही शांति का एकमात्र मार्ग है।

खेलों से चरित्र निर्माण में होती है मदद डीसी अपराजिता

कलासो देवी

कैथल। डीसी अपराजिता ने आरकेएसडी कॉलेज में आयोजित 65वीं खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए कहा कि खेलों से चरित्र निर्माण होता है और जीवन में अनुशासन, टीम वर्क व नेतृत्व क्षमता विकसित होती है। उन्होंने झंडा फहराकर और गुब्बारे छोड़कर प्रतियोगिता की शुरूआत की। कार्यक्रम में मार्च पास्ट और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी हुईं।

प्रतियोगिता में 100, 200, 800, 1500, 5000 व 10000 मीटर दौड़, रिले रेस, हाई जंप, लोंग जंप, शॉट पुट सहित कई खेल आयोजित किए जा रहे हैं। इस मौके पर आरकेएसडी कॉलेज संस्थान के प्रधान अश्वनी शौरेवाला, प्रिंसिपल डॉ. गगन मित्तल सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पंजीकृत गौशालाओं के लिए अनुदान राशि जारी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जिला सोनीपत के गांव भटगांव में आयोजित राज्य स्तरीय गौशाला चारा अनुदान राशि वितरण समारोह में प्रदेश की गौशालाओं के सशक्तिकरण के लिए 68 करोड़ 34 लाख रुपये की चारा अनुदान राशि जारी की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को होली के पर्व की शुभकामनाएं भी दी। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि गौ माता हमारी संस्कृति, आस्था और संवेदनशीलता की प्रतीक हैं। गौ सेवा केवल धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पर्यावरण संरक्षण से भी जुड़ा हुआ विषय है। सरकार का उद्देश्य गौशालाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना

है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भटगांव की दोनों ग्राम पंचायतों तथा धर्मार्थ गौशाला भटगांव को 21-21 लाख रुपये देने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि सोनीपत जिले की 27 पंजीकृत गौशालाओं के लिए 5 करोड़ 60 लाख रुपये की राशि जारी की गई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश की 602 पंजीकृत गौशालाओं को यह अनुदान दिया जा रहा है, जिससे हजारों गौशालाओं में आश्रय ले रहे गोवंश को चारे की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित होगी। उन्होंने जानकारी दी कि पिछले सवा 11 वर्षों में प्रदेश सरकार द्वारा पंजीकृत गौशालाओं को 457 करोड़ 41 लाख रुपये की अनुदान राशि दी गई थी और आज की राशि मिलाकर यह आंकड़ा बढकर 525 करोड़ 75 लाख रुपये से अधिक हो चुका है। यह सरकार की गौसंवर्धन के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

गौशालाओं की संख्या और क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि: मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2014 तक प्रदेश में केवल 215 पंजीकृत गौशालाएं थीं, जिनमें लगभग 1 लाख 75 हजार गोवंश का पालन-पोषण हो रहा था। वर्तमान में 697 पंजीकृत गौशालाएं कार्यरत हैं, जिनमें लगभग 4 लाख बेसहारा गोवंश को आश्रय दिया जा रहा है। यह वृद्धि प्रदेश सरकार की योजनाओं और समाज के सहयोग से संभव हुई है।

सौर ऊर्जा से आत्मनिर्भर बनेगी गौशालाएं: मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की 330 गौशालाओं में सोलर ऊर्जा प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं और वर्ष 2026-27 तक सभी पंजीकृत गौशालाओं को सौर ऊर्जा आधारित परिसरों में परिवर्तित करने का लक्ष्य रखा गया है।

पंजाब एवं हरियाणा बार काउंसिल चुनाव 18 मार्च को, कैथल में 4 बूथ

कलासो देवी

कैथल। पंजाब एवं हरियाणा बार काउंसिल के पदाधिकारियों के चुनाव 18 मार्च को होंगे। डीसी अपराजिता ने अधिकारियों की बैठक लेकर चुनाव की तैयारियों को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। जिले में चार मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें तीन कैथल जिला न्यायालय परिसर और एक गुहला न्यायालय परिसर में होगा। चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष कराने के लिए कैथल के तीन बूथों के लिए एसडीएम कलायत अजय हुड्डा तथा गुहला के बूथ के लिए एसडीएम गुहला कैप्टन प्रमेश सिंह को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कैथल में 1659 और गुहला में 146 अधिवक्ता मतदान करेंगे। डीसी ने अधिकारियों को चुनाव के दौरान सभी मूलभूत सुविधाएं और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

होली पर सांसद नवीन जिंदल ने दी शुभकामनाएं

कैथल। सांसद नवीन जिंदल ने जिलेवासियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी के जीवन में खुशियों के रंग भरे रहें। उन्होंने लोगों से अपील की कि आपसी मनमुटाव भुलाकर रंगों के इस पर्व को प्रेम, भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाएं। सांसद ने कहा कि होली बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। यह त्योहार समाज में भाईचारा और सकारात्मकता का संदेश देता है। उन्होंने सभी नागरिकों से नई उमंग और उत्साह के साथ जीवन में आगे बढ़ने की कामना की।

पलवल में लापरवाही पर कड़ा एक्शन

चंडीगढ़। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने पलवल के गोबिंद नगर स्थित बूस्टिंग स्टेशन में सामने आए लापरवाही के मामले में एसडीओ और जेई को सस्पेंड कर दिया है, साथ ही सम्बधित एक्सईन को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया है। गोबिंद नगर स्थित बूस्टिंग स्टेशन के अंडरग्राउंड वाटर टैंक में डूबने से 26 फरवरी को 12 वर्षीय बच्चे की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु हो गयी थी। मामले में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कड़ा संज्ञान लेते हुए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मंत्री के निदेर्शों के बाद मामले में विभाग ने एसडीओ प्रीति और जेई रामबीर सिंह को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और सार्वजनिक स्थलों पर बुनियादी ढांचे की जिम्मेदारी विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस तरह की लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी बूस्टिंग स्टेशनों, वाटर टैंकों और संबंधित परिसरों का तत्काल निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

पूंडरी में 29 करोड़ के विकास कार्यों का शिलान्यास

पूंडरी। पूंडरी विधानसभा क्षेत्र में विकास को गति देते हुए विधायक सतपाल जाम्बा ने लगभग 29 करोड़ की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास व शुभारंभ किया। कैथल-करनाल रोड के नवीनीकरण (23.73 करोड़) के अलावा आहू, पबनावा और पिलनी गांवों में पशु अस्पतालों की आधारशिला रखी गई। इसके साथ ही 15 गांवों में हाई मास्क लाइटें, फरल में फल्गु तीर्थ पर निर्माण कार्य व लाइटें तथा पूंडरी में पाई रोड पर 2.50 करोड़ की लागत से सामुदायिक केंद्र निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। विधायक ने कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास उनकी प्राथमिकता है और सभी परियोजनाएं समयबद्ध व पारदर्शिता के साथ पूरी की जाएंगी।

योगा ट्रायल 6 मार्च, खो-खो के 9 मार्च को

कलासो देवी

कैथल। जिला खेल अधिकारी राज रानी ने बताया कि अखिल भारतीय सिविल सेवा योगा प्रतियोगिता (पुरुष व महिला) 17 से 21 मार्च तक सेक्टर-23 चंडीगढ़ में आयोजित होगी। इसमें हरियाणा की टीम के चयन के लिए खिलाड़ियों के ट्रायल 6 मार्च को सुबह 10 बजे महावीर स्टेडियम हिसार में लिए जाएंगे।

इसी तरह अखिल भारतीय सिविल सेवा खो-खो प्रतियोगिता (पुरुष व महिला) 19 से 22 मार्च तक शिव छत्रपति क्रीड़ा संकुल, पुणे (महाराष्ट्र) में होगी। इसके लिए खिलाड़ियों के ट्रायल 9 मार्च को सुबह 10 बजे महावीर स्टेडियम हिसार में होंगे।

डीएसओ ने बताया कि विभागों के उत्कृष्ट खिलाड़ी अधिकारियों व कर्मचारियों को ट्रायल में भाग लेने के लिए भेजा जाए। यात्रा व अन्य भत्ते संबंधित विभाग के नियमों के अनुसार मिलेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि रक्षा सेवाओं, अर्धसैनिक बलों व कुछ अन्य श्रेणियों के कर्मचारी इस प्रतियोगिता में भाग लेने के पात्र नहीं होंगे।

राज्यसभा चुनाव: भाजपा ने 09 उम्मीदवारों के नाम किए घोषित

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को राज्यसभा के नौ उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। इस सूची में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का भी नाम है। उन्हें बिहार से उम्मीदवार बनाया गया है।

भाजपा ने एक विज्ञप्ति में कहा कि केंद्रीय चुनाव समिति ने विभिन्न प्रदेशों में होने वाले राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव के लिए निम्नलिखित नामों पर अपनी स्वीकृति प्रदान की है जिसमें बिहार से नितिन नवीन और शिवेश कुमार उम्मीदवार बनाए गए हैं। भाजपा ने असम से तेराश गोवाला और जोगेन मोहन को उम्मीदवार बनाया गया है। छत्तीसगढ़ से लक्ष्मी वर्मा,

हरियाणा से संजय भाटिया, ओडिशा, से मनमोहन सामल और सुजीत कुमार को उम्मीदवार बनाया गया है। पश्चिम बंगाल से राहुल सिन्हा को उम्मीदवार बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि राज्यसभा चुनाव की नामांकन प्रक्रिया में सिर्फ एक दिन बाकी है। बिहार समेत 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों पर 16 मार्च को चुनाव होने हैं। इनमें महाराष्ट्र में सात, तमिलनाडु में छह, बिहार और पश्चिम बंगाल में पांच-पांच, ओडिशा में चार, असम में तीन, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और हरियाणा में दो-दो तथा हिमाचल प्रदेश में एक सीट के लिए मतदान होगा।

बिहार की 5 सीटों के लिए अधिसूचना 26 फरवरी को जारी हुई थी। नामांकन की अंतिम तारीख 5 मार्च है। तीन एवं चार मार्च को होली की छुट्टी के कारण नामांकन के लिए सिर्फ 5 मार्च का दिन ही बाकी है। बिहार से जिन 5 सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल में समाप्त हो रहा है। उनमें राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह, केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर, प्रेमचंद्र गुप्ता, अमरेंद्र धारी सिंह और उपेंद्र कुशवाहा शामिल हैं।

कृषि विकास मेले में कैथल के दो प्रगतिशील किसान किए सम्मानित

कलासो देवी

कैथल। कुरुक्षेत्र में आयोजित दो दिवसीय कृषि विकास मेले में जिले के प्रगतिशील किसान पूजा देवी और प्रदीप कुमार को सम्मानित किया गया। बाता गांव की पूजा देवी को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए सम्मानित किया, जबकि मेले के समापन पर कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने जसवंती गांव के प्रदीप कुमार को सम्मानित किया।

कृषि विज्ञान केंद्र के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. रमेश वर्मा ने बताया कि दोनों किसान पिछले आठ वर्षों से प्राकृतिक खेती से गेहूं, सरसों और चारे की फसल उगाकर अच्छी आमदनी कमा रहे हैं। इन्हें पहले भी कृषि व बागवानी विभाग तथा कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

खेल नर्सरी के लिए 7 मार्च तक करें आवेदन

कलासो देवी

कैथल। जिला खेल अधिकारी राज रानी ने बताया कि खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग हरियाणा द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए विभिन्न खेलों की नर्सरी खोली जाएंगी। इसके लिए सरकारी स्कूलों, ग्राम पंचायतों और निजी शिक्षण संस्थानों से विभागीय वेबसाइट पर आवेदन मांगे गए हैं। उन्होंने बताया कि क्लोइंग, घुड़सवारी, जिम्नास्टिक, कराटे, रोविंग और स्केटिंग खेलों की नर्सरी के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 7 मार्च तक बढ़ा दी गई है। इच्छुक संस्थान खेल विभाग हरियाणा की वेबसाइट www.haryanasports.gov.n पर पंजीकरण कर आवेदन कर सकते हैं।

संदिग्ध तस्करों पर पुलिस का सर्च ऑपरेशन जारी

कैथल। जिले को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा संदिग्ध नशा तस्करों के ठिकानों पर सर्च अभियान चलाया गया। एसपी उपासना के निर्देश और डीएसपी कुलदीप बेनीवाल के नेतृत्व में रविवार सुबह कलायत, राजौंद, सीवन, पूंडरी, थाना सदर और शहर क्षेत्र में पुलिस टीमों ने कमांडो दस्ते, एंटी नारकोटिक सेल और स्नाइपर डॉग की मदद से जांच की।

इस दौरान संदिग्ध तस्करों के घरों व अन्य स्थानों की तलाशी ली गई। पुलिस ने बताया कि वर्ष 2026 में अब तक 21 मामलों में 30 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

साथ ही आम लोगों से अपील की गई कि नशा बेचने वालों की सूचना पुलिस को दें, सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

संपादकीय

अमर शहीद लाला हरदयाल: त्याग और तप के प्रतीक

4 मार्च का दिन भारतीय इतिहास के उस पन्ने की याद दिलाता है, जो शौर्य, विद्वत्ता और क्रांति के अद्भुत संगम से रचित है। इसी दिन मां भारती के एक ऐसे सपूत ने इस नश्वर संसार को त्याग दिया था, जिसने अपनी कुशाग्र बुद्धि को विलासिता का साधन बनाने के बजाय स्वतंत्रता की वेदी पर समिधा बना दिया था। लाला हरदयाल, एक ऐसा नाम, जो सुनते ही सैन फ्रांसिस्को के तटों से उठी गदर की लहरें और लाहौर की बौद्धिक चेतना एक साथ जीवंत हो उठती हैं। वे केवल एक क्रांतिकारी नहीं थे बल्कि एक ऐसे मनीषी थे, जिन्होंने कलम और विचार को तलवार से अधिक धारदार बना दिया था। 14 अक्टूबर 1884 को दिल्ली के एक साधारण परिवार में जन्मे हरदयाल माथुर बचपन से ही विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। उनकी मेधा का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि सेंट स्टीफेंस कॉलेज से संस्कृत में स्नातक और फिर सरकारी वजीफे पर ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय जाने तक उनकी शैक्षणिक यात्रा स्वर्णाक्षरों में लिखी गई। लेकिन जिस समय अन्य युवा ब्रिटिश हुकूमत की चाकरी कर ऊंचे पदों के स्वप्न देख रहे थे, उस समय हरदयाल के भीतर स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की अग्नि प्रज्वलित हो रही थी। उन्होंने अनुभव किया कि फिरंगियों की शिक्षा पद्धति भारतीयों को केवल बाबू बनाने के लिए है, न कि राष्ट्र के निर्माण के लिए। इसी बोध ने उन्हें ऑक्सफोर्ड की छात्रवृत्ति और विलायती सुख-सुविधाओं को लात मारने पर विवश कर दिया। लाला हरदयाल का व्यक्तित्व विरोधाभासों का एक सुंदर समन्वय था। वे जहां एक ओर संस्कृत के प्रकांड विद्वान थे, वहीं दूसरी ओर पाश्चात्य दर्शन और राजनीति के भी गहरे जानकार थे। उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अध्याय अमेरिका में गदर पार्टी की स्थापना के साथ शुरू होता है। जब वे अमेरिका और कनाडा में बसे प्रवासी भारतीयों से मिले तो उन्होंने उनकी आंखों में छिपे उस अपमान को पढ़ा, जो उन्हें गुलाम देश का नागरिक होने के कारण झेलना पड़ता था। हरदयाल ने समझा कि भारत की आजादी की लड़ाई केवल सीमाओं के भीतर रहकर नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर ब्रिटिश साम्राज्यवाद की जड़ों पर प्रहार करके भी लड़ी जा सकती है। 1913 में उन्होंने गदर समाचारपत्र का प्रकाशन शुरू किया, जिसके पहले अंक के शीर्षक अंग्रेजी राज का दुश्मन ने ही फिरंगियों की नींद उड़ा दी थी। उनका लेखन कोई साधारण गद्य नहीं था बल्कि वह सोई हुई आत्माओं को झकझोरने वाला संगीत था। वे लिखते थे, देश के वीरों, हमें सिपाही चाहिए; सिपाही, जो अपनी जान दे सकें। हमें सेनापति चाहिए, जो रणनीतियां बना सकें। उनके शब्द सीधे दिल पर चोट करते थे। गदर आंदोलन ने केवल सिखों या पंजाबियों को ही नहीं बल्कि हर उस भारतीय को एक सूत्र में पिरो दिया, जो विदेश में रहकर भी अपनी मिट्टी की खुशबू के लिए तरस रहा था। हरदयाल ने सिखाया कि संगठन की शक्ति क्या होती है। उनके प्रयासों से ही करतार सिंह सराभा और विष्णु गणेश पिंगले जैसे वीर योद्धा तैयार हुए, जिन्होंने हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूम लिया। हरदयाल जी के विचार केवल राजनीतिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं थे। वे एक महान समाज सुधारक और तर्कशास्त्री भी थे। उनकी पुस्तक हिंट्स फॉर सेल्फ कल्चर आज भी उन युवाओं के लिए एक मार्गदर्शिका है, जो अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना चाहते हैं।

नारी: समाज की शक्ति और राष्ट्र की आधारशिला

शिक्षा की कमी, सामाजिक कुरीतियां, भेदभाव, घरेलू हिंसा और असमान अवसर जैसी समस्याएं आज भी कई महिलाओं के जीवन को प्रभावित करती हैं। इसलिए महिलाओं की स्थिति को सुदृढ़ बनाने के लिए समाज में जागरूकता और शिक्षा का प्रसार अत्यंत आवश्यक है। कहा भी गया है– सबसे प्रथम कर्तव्य है शिक्षा बढ़ाना देश में, शिक्षा बिना ही आज हम पड़ रहे हैं क्लेश में। शिक्षा बिना कभी कोई बन सकता नहीं सत्पात्र है, शिक्षा बिना कल्याण की आशा दुराशा मात्र है

प्रतिवर्ष 8 मार्च को पूरे विश्व में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। यह दिन केवल महिलाओं को सम्मान देने का अवसर ही नहीं है, बल्कि उनके संघर्ष, त्याग, उपलब्धियों और समाज में उनके अमूल्य योगदान को याद करने का भी दिन है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का उद्देश्य महिलाओं को समाज के प्रत्येक क्षेत्र में समान अधिकार, अवसर और सम्मान दिलाने के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। यह दिन हमें यह सोचने के लिए भी प्रेरित करता है कि आज के आधुनिक युग में महिलाओं की स्थिति क्या है और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए हमें क्या प्रयास करने चाहिए। इतिहास पर दृष्टि डालें तो ज्ञात होता है कि वर्ष 1908 में अमेरिका की महिलाओं ने समान अधिकारों, सुदृढ़ कार्य परिस्थितियों और उचित मजदूरी की मांग को लेकर आंदोलन किया था। उस समय महिलाएं लंबे समय तक काम करती थीं, परंतु उन्हें पुरुषों की तुलना में कम मजदूरी मिलती थी और उनके अधिकार भी सीमित थे। महिलाओं ने इस अन्याय के विरुद्ध आंदोलन किया और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष किया। इसके बाद 1910 में डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में एक अंतरराष्ट्रीय महिला समाजवादी सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में जर्मनी की समाजसेवी क्लारा जेटकिन ने यह प्रस्ताव रखा कि प्रत्येक वर्ष महिलाओं के अधिकारों और समानता के समर्थन में एक दिन अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। इस प्रस्ताव को सम्मेलन में उपस्थित सभी प्रतिनिधियों ने समर्थन दिया। इसके बाद कई देशों में महिला दिवस मनाया जाने लगा। वर्ष 1975 में संयुक्त राष्ट्र संघ ने आधिकारिक रूप से 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मान्यता प्रदान की। इसके बाद से यह दिवस पूरे विश्व में बड़े उत्साह और सम्मान के साथ मनाया जाने लगा। इस दिन विभिन्न कार्यक्रम, संगोष्ठियां, रैलियां और जागरूकता अभियान आयोजित किए जाते हैं, जिनका उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और समाज में समानता को बढ़ावा देना है। यदि हम भारत की बात करें तो यहां प्राचीन काल से ही नारी को उच्च स्थान दिया गया है। भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति, ममता और त्याग का प्रतीक माना जाता है। हमारे धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन में भी नारी को विशेष महत्व दिया गया है। भगवान के नाम का उच्चारण करते समय भी नारी को पहले स्थान पर रखा जाता है, जैसे झ सीताराम, राधेश्याम, लक्ष्मीनारायण आदि। कभी भी किसी भगवान की मूर्ति को देखते हैं तो उसमें युगल को स्थापित किया जाता है। पुरातन समय में राजा महाराजा भी अपनी रानी के संग बैठे दिखाई देते हैं। इतना ही नहीं, भारत की पवित्र नदियों के नाम भी नारी शक्ति का प्रतीक हैं, जैसे झ गंगा, यमुना, सरस्वती, कावेरी और गोदावरी। भारत में अपने देश को भी ह्लभारत माताह्व कहकर संबोधित किया जाता है। जब किसी घर में पुत्री का जन्म होता है तो लोग कहते हैं कि ह्लघर में लक्ष्मी आई है।ह्व यह सब उदाहरण इस बात को स्पष्ट करते हैं कि भारतीय समाज में नारी को सम्मानित स्थान प्राप्त है। इसके साथ ही यह भी एक सच्चाई है कि आज भी समाज के कई हिस्सों में महिलाओं को अनेक कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। शिक्षा की कमी, सामाजिक कुरीतियां, भेदभाव, घरेलू हिंसा और असमान अवसर जैसी समस्याएं आज भी कई महिलाओं के जीवन को प्रभावित करती हैं। इसलिए महिलाओं की स्थिति को सुदृढ़ बनाने के लिए समाज में जागरूकता और शिक्षा का प्रसार अत्यंत आवश्यक है। कहा भी गया है–सबसे प्रथम कर्तव्य है शिक्षा बढ़ाना देश में, शिक्षा बिना ही आज हम पड़ रहे हैं क्लेश में। शिक्षा बिना कभी कोई बन सकता नहीं सत्पात्र है, शिक्षा बिना कल्याण की आशा दुराशा मात्र है। एक शिक्षित महिला केवल अपने जीवन को ही नहीं बदलती, बल्कि पूरे परिवार और समाज को भी प्रगति के मार्ग पर ले जाती है।

एक शिक्षित और संस्कारित महिला अपने परिवार की धुरी होती है। वह अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देती है, परिवार को एकजुट रखती है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की क्षमता रखती है। आज के आधुनिक युग में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही हैं। शिक्षा, विज्ञान, चिकित्सा, खेल, राजनीति, सेना, प्रशासन और व्यवसाय जैसे अनेक क्षेत्रों में महिलाओं ने अपनी योग्यता और क्षमता का प्रमाण दिया है। भारत में भी कई ऐसी महिलाएं हुई हैं जिन्होंने अपने साहस, परिश्रम और प्रतिभा के बल पर देश का नाम रोशन किया है। आज महिलाएं केवल घर की जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे देश के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। एक ओर जहां महिलाएं एक सफल चिकित्सक, वैज्ञानिक, शिक्षक और नेता के रूप में समाज का मार्गदर्शन कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर वे एक आदर्श माता, पत्नी और बहन के रूप में परिवार की आधारशिला भी बनी हुई हैं। महिला सशक्तिकरण का अर्थ केवल महिलाओं को स्वतंत्रता देना नहीं है, बल्कि उन्हें शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और समान अवसर प्रदान करना भी है। जब तक समाज में महिलाओं को समान अधिकार और सम्मान नहीं मिलेगा, तब तक वास्तविक प्रगति संभव नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हमें यह संदेश देता है कि हमें महिलाओं के प्रति अपनी सोच को सकारात्मक बनाना चाहिए। हमें यह समझना चाहिए कि नारी केवल परिवार की ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र की शक्ति है। यदि हम महिलाओं को उचित अवसर और सम्मान देंगे, तो वे समाज और राष्ट्र के विकास में और भी अधिक योगदान दे सकेंगी। अंततः कहा जा सकता है कि नारी शक्ति ही समाज की वास्तविक शक्ति है।
नारी के बिना जीवन, परिवार और समाज की कल्पना अधूरी है। इसलिए हमें केवल एक दिन महिला दिवस मनाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि वर्ष के प्रत्येक दिन महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए प्रयास करना चाहिए। जब समाज में नारी को समान अधिकार, सम्मान और अवसर प्राप्त होंगे, तभी एक सशक्त, समृद्ध और विकसित राष्ट्र का निर्माण संभव हो सकेगा। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हमें यही प्रेरणा और संदेश प्रदान करता है।

निर्दोष भारतीयों की मौत पर मौन क्यों थे?

अरविंद रावल

अमेरिका इजरायल की संयुक्त कार्रवाई में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई की मृत्यु के बाद भारत सहित अनेक देशों में उनके समर्थकों द्वारा छाती पीट-पीटकर मातम मनाया जा रहा है और अमेरिका तथा इजराइल की आलोचना की जा रही है। किंतु प्रश्न यह है कि युद्ध हो या आतंकवाद, उसके घाव सदैव गहरे और त्रासद होते हैं। उनकी टीस लंबे समय तक जनमानस को व्यथित करती रहती है । ईरान के सुप्रीम लीडर के रूप में लगभग 36 वर्षों तक सत्ता में रहे खामनेई के शासनकाल में कितने निर्दोष लोगों ने दमन और कठोर नीतियों का सामना किया, यह किसी से छिपा नहीं है। क्या मातम मनाने वाले उनके समर्थकों को यह स्मरण है? जब किसी देश के नागरिक स्वयं अपने सर्वोच्च नेता की मृत्यु पर सड़कों पर उतरकर जश्न मनाते दिखाई दें, तो यह शासन और जनता के बीच गहरे असंतोष का संकेत देता है। ऐसे में भारत में शोक प्रकट करने वाले लोग आखिर किस मानसिकता का प्रतिनिधित्व करते हैं ?

ईरानी सुप्रीम खामनेई पर आरोप रहे कि उन्होंने महिलाओं की स्वतंत्रता पर कठोर प्रतिबंध लगाए । हिजाब को अनिवार्य करना और इस्लामी नियमों की कठोर व्याख्या के आधार पर सामाजिक जीवन को नियंत्रित करना उनकी नीतियों का हिस्सा रहा । आधुनिक युग में जब ईरान की महिलाओं और युवाओं ने स्वतंत्रता तथा समान अधिकारों की मांग उठाई, तब विरोध प्रदर्शनों को सख्ती से दबाया गया। अनेक अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने इन कार्रवाइयों की आलोचना की है । यह भी विचारणीय है कि जब भारत में आतंकी हमलों में निर्दोष नागरिक मारे गए, तब क्या इन शोक प्रकट करने वालों ने उतनी ही तीव्रता से संवेदना व्यक्त की ? यदि हम सचमुच मानवीय मूल्यों के पक्षधर हैं, तो हमारी संवेदनाएं चयनात्मक नहीं होनी चाहिए । हिंसा चाहे कहीं भी हो ईरान में या भारत में उसकी समान रूप से निंदा होनी चाहिए । अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थायी मित्र या शत्रु नहीं होते । कभी ईरान और इजरायल के संबंध सामान्य थे। वैचारिक टकराव और क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं ने उन्हें कट्टर विरोधी बना दिया। कई देश, जैसे सऊदी अरब, बहरीन और कुवैत, भी इस तनावपूर्ण वातावरण से प्रभावित रहे हैं । निस्संदेह, किसी भी युद्ध की विभीषिका अत्यंत भयावह होती है। हुक्मरानों के अहंकार की कीमत अंततः आम नागरिकों, महिलाओं, बच्चों और सैनिकों को ही चुकानी पड़ती है। अतः किसी भी शासक की मृत्यु पर भावनात्मक प्रतिक्रिया देने से पूर्व उसके शासनकाल का समग्र और निष्पक्ष मूल्यांकन आवश्यक है ।

कहने में कम, करने में आगे: रणबीर सिंह गंगवा

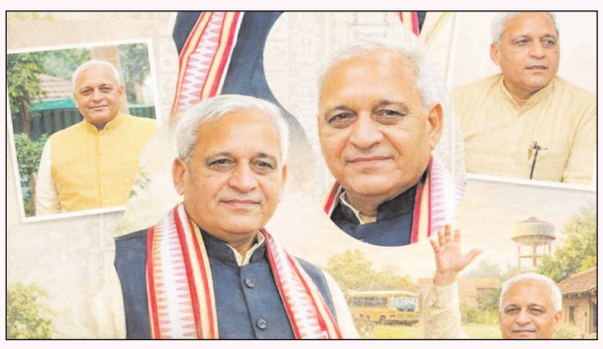

रणबीर सिंह गंगवा हरियाणा की राजनीति में उन चुनिंदा नेताओं में गिने जाते हैं, जिन्होंने ग्रामीण पृष्ठभूमि से उठकर निरंतर संघर्ष, संगठनात्मक निष्ठा और जनसेवा के बल पर कैबिनेट मंत्री तक का सफर तय किया। वे आज हरियाणा सरकार में लोक निर्माण विभाग (ढहऊ) तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कैबिनेट मंत्री हैं और नायब सिंह सैनी मंत्रिमंडल में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनका जीवन पिछड़े वर्गों, किसानों और ग्रामीण समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। रणबीर सिंह गंगवा का जन्म 4 मार्च 1964 को हरियाणा के हिसार जिले के गंगवा गांव में कुम्हार (प्रजापति) परिवार में हुआ। उनके पिता राजाराम और माता केसर देवी साधारण ग्रामीण जीवन से जुड़े थे। सीमित संसाधनों के बीच पले-बढ़े गंगवा ने उच्च माध्यमिक शिक्षा प्राप्त की और प्रारंभ से ही सामाजिक कार्यों में रुचि दिखाई। ग्रामीण परिवेश में रहते हुए उन्होंने किसानों, मजदूरों और पिछड़े वर्गों की समस्याओं को नजदीक से समझा, जिसने आगे चलकर उनकी राजनीति की दिशा तय की। उनका पहला औपचारिक चुनाव जिला परिषद का था। वर्ष 2000 में उन्होंने हिसार जिला परिषद का चुनाव लड़ा, जहां उन्हें प्रारंभिक पराजय का सामना करना पड़ा। लेकिन इस हार ने उन्हें और मजबूत बनाया। 2005 में वे दोबारा चुनाव जीतकर जिला परिषद सदस्य बने और बाद में उपाध्यक्ष पद तक पहुंचे। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण सड़कों, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। यही कालखंड उनके राजनीतिक जीवन की मजबूत नींव बना। 2009 में उन्होंने नलवा विधानसभा क्षेत्र से इंडियन नेशनल लोकदल के टिकट पर चुनाव लड़ा। इस चुनाव में उन्हें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संपत सिंह से हार का सामना करना पड़ा, किंतु उनका राजनीतिक प्रभाव बना रहा। 2010 में उन्हें इंडियन नेशनल लोकदल की ओर से राज्यसभा भेजा गया। राज्यसभा सदस्य के रूप में उन्होंने हरियाणा के ग्रामीण और पिछड़े वर्गों से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया और अपनी सक्रियता से पहचान बनाई। 2014 में वे नलवा विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुए। इस चुनाव में उन्होंने संपत सिंह और पूर्व उपमुख्यमंत्री चंद्रमोहन जैसे दिग्गज नेताओं को पराजित किया। विधायक के रूप में उन्होंने क्षेत्र में विकास कार्यों को गति दी और जनता से निरंतर संवाद बनाए रखा। 2019 में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा और नलवा से पुनः जीत दर्ज की। विधानसभा में उन्हें उपाध्यक्ष (डिप्टी स्पीकर) की जिम्मेदारी सौंपी गई, जहां उन्होंने सदन की कार्यवाही को सुचारू और मर्यादित ढंग से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 2024 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने उन्हें बरवाला विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया। यह राजनीतिक रूप से एक नई चुनौती थी, लेकिन रणबीर गंगवा ने इसे अवसर में बदल दिया। उन्होंने बरवाला से ऐतिहासिक जीत दर्ज कर पहली बार वहां भाजपा को विजय दिलाई। इसी जीत के बाद उन्हें नायब सैनी मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री के रूप में शामिल किया गया। लगभग 34 वर्षों के राजनीतिक संघर्ष का यह महत्वपूर्ण पड़ाव था। कैबिनेट मंत्री बनने के बाद रणबीर गंगवा को लोक निर्माण विभाग (ढहऊ) और सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य विभाग को पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है। हरियाणा में लगभग 30,664 किलोमीटर लंबी सड़कों का नेटवर्क पीडब्ल्यूडी के अंतर्गत आता है। वर्ष 2025झ26 के लिए 6,500 किलोमीटर सड़कों की नई कार्पेटिंग का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। गुणवत्ता सुनिश्चित करने और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए सख्त निगरानी प्रणाली लागू की गई है। सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के तहत उनका फोकस ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति, पाइपलाइन विस्तार और जल संरक्षण योजनाओं पर है। हरियाणा स्वर्ण जयंती महाग्राम योजना के माध्यम से गांवों में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। उनका मानना है कि मजबूत गांव ही मजबूत हरियाणा की नींव हैं। रणबीर गंगवा को पिछड़े वर्गों का सशक्त प्रतिनिधि माना जाता है। प्रजापति समाज में उनकी विशेष पकड़ है और वे ओबीसी समुदाय की आवाज उठाने के लिए जाने जाते हैं। उनकी सादगी और सहजता उन्हें आम जनता के बीच लोकप्रिय बनाती है। उनकी राजनीति की एक बड़ी विशेषता उनकी स्वच्छ छवि है।

ईरान संकट में भारत की कूटनीति

आशीष राजपूत

ईरान पर इजरायली-अमेरिकी हमले और उसमें ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के मारे जाने के बाद भारत की तरफ से सीधा वक्तव्य न आने पर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं। विदेश नीति की दिशा और विश्वसनीयता पर उठाए गए विपक्ष के इन प्रश्नों के बीच यह समझना आवश्यक है कि ईरान पर कोई वक्तव्य का न आना भारत की चुप्पी है या परिपक्व कूटनीतिक रणनीति। इजराइल और ईरान के बीच तनाव दशकों पुराना है, जिसकी जड़ें क्षेत्रीय सुरक्षा, वैचारिक टकराव और परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी आशंकाओं में निहित हैं। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर इजराइल और अमेरिका लंबे समय से गंभीर आशंकाएँ व्यक्त करते रहे हैं तो वहीं हमास हमले के बाद गाजा में जारी इजरायली सैन्य अभियान पर ईरान की प्रतिक्रिया नें मामला अधिक तनावपूर्ण कर दिया था। ईरान के तत्कालीन मिसाइल हमलों के प्रतियुत्तर में इजराइल ने ईरान के अनेक महत्वपूर्ण संभावित परमाणु ठिकानों, वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्रों व सैन्य प्रतिष्ठानों पर एयर-स्ट्राइक किया तथा अमेरिका ने बॉम्बर प्लेन से परमाणु साइट को बर्बाद करने का दावा किया। लगभग बारह दिन चले इस सैन्य तनाव के बाद भले ही युद्धविराम हो गया था, किंतु क्षेत्रीय तनाव और गहरा गया। लंबे समय से अमेरिका और इजराइल ईरान के विरुद्ध सैन्य अभियान की तैयारी में लगे हुए थे। इसी दौरान ईरान के भीतर बड़े पैमाने पर सत्ता-विरोधी प्रदर्शनों और इसमें हजारों ईरानी नागरिकों के मारे जाने की घटना नें अमेरिका व ईरान के बीच सैन्य टकराव की भूमि तैयार कर दी। आखिरकार 28 फरवरी को इजराइल व अमेरिका ने संयुक्त अभियान चलाकर ईरान पर हमला कर दिया और इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अली हुसैनी खामेनेई के मारे जाने की खबरें सामने आईं। इन ताजा घटनाक्रमों पर भारत ने अपेक्षाकृत संयमित और संतुलित प्रतिक्रिया दी है। प्रधानमंत्री द्वारा इजराइल सहित कई खाड़ी देशों के नेताओं से बातचीत की गई, किंतु ईरान को लेकर सार्वजनिक रूप से कोई बयान सामने नहीं आया। विपक्षी दलों ने इसे मुद्दा बनाते हुए भारत के पारंपरिक साझेदार ईरान के प्रति तथा उसके शीर्ष नेतृत्व व सुप्रीम नेता खामेनेई की हत्या पर खुलकर वक्तव्य रखने की वकालत की है। वर्तमान परिस्थिति में भले ही विपक्ष भारतीय मुसलमानों को साधते हुए विदेश नीति पर प्रश्न कर रहा है लेकिन ऐसी परिस्थितियों में भारत ने हमेशा कूटनीतिक रास्ते को प्राथमिकता दी है। वस्तुतः वर्तमान सरकार की प्रतिक्रिया किसी नई नीति का संकेत नहीं देती, बल्कि उस निरंतर कूटनीतिक परंपरा का विस्तार है जिसका पालन भारत ने विभिन्न सरकारों के दौर में किया है। यदि भारतझ्ईरान संबंधों का ऐतिहासिक विश्लेषण करें तो इस्लामिक क्रांति से पूर्व व पश्चात, दोनों ही कालखंडों में भारत के ईरान के साथ संबंध सकारात्मक और स्थिर रहे हैं।

होली, बदलता समाज और मर्यादा की नई परिभाषाएँ

डॉ. सत्यवान सौरभ

होली केवल एक त्योहार नहीं, भारतीय समाज की सामूहिक चेतना का उत्सव है। यह रंगों का, उल्लास का, मन की गांठें खोलने का और रिश्तों में जमी धूल झाड़ने का अवसर है। किंतु समय के साथ हर परंपरा नए प्रश्नों के घेरे में आती है। आज जब विश्वविद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर होली के आयोजन का स्वरूप बदल रहा है, तब समाज का एक वर्ग उत्साहित है तो दूसरा वर्ग चिंतित। यही द्वंद्व इस चर्चा को गंभीर बनाता है। परंपरागत रूप से होली को पारिवारिक और सामुदायिक दायरे में मनाया जाता रहा है। गाँवों में चौपाल, मोहल्लों में आँगन, घरों की छतें–ये सब उत्सव के स्वाभाविक मंच होते थे। रिश्तों की परिभाषाएँ स्पष्ट थीं; देवर-भाभी की हँसी-ठिठोली, ननद-भाभी की चुहल, मित्रों का रंग-अबीर। इन सबमें एक सांस्कृतिक मर्यादा और सामाजिक संदर्भ निहित रहता था। त्योहार का आनंद सामूहिक था, पर सीमाएँ भी स्पष्ट थीं। आज दृश्य बदल चुका है। सहशिक्षा वाले विश्वविद्यालयों में छात्र-छात्राएँ साथ पढ़ते हैं, साथ कार्यक्रम आयोजित करते हैं और साथ ही उत्सव भी मनाते हैं। सोशल मीडिया के दौर में उत्सव केवल निजी अनुभव नहीं रह गया, वह सार्वजनिक प्रदर्शन का रूप ले लेता है। रंग, संगीत, नृत्य और भीड़–ये सब मिलकर एक ऐसा माहौल रचते हैं जो पारंपरिक होली से भिन्न दिखाई देता है। यही बदलाव समाज के एक हिस्से को असहज करता है। मुख्य प्रश्न यह नहीं है कि लड़कियाँ होली क्यों खेल रही हैं या लड़के क्यों साथ हैं। असली प्रश्न यह है कि क्या उत्सव की आड़ में मर्यादा और गरिमा सुरक्षित है? क्या स्वतंत्रता के नाम पर अराजकता को स्थान मिल रहा है? क्या भीड़ के उत्साह में व्यक्तिगत सीमाएँ टूट रही हैं? यहाँ लड़की और स्त्री के बीच का अंतर भी चर्चा में आता है। समाज अक्सर बेटियों को बचपन से ही मर्यादा का पाठ पढ़ाता है, जबकि बेटों को अधिक खुली छूट मिलती रही है। जब बेटियाँ सार्वजनिक रूप से उत्सव में भाग लेती हैं, तो उसे परंपरा से विचलन मान लिया जाता है। पर क्या यह दृष्टिकोण न्यायसंगत है? यदि शिक्षा और सार्वजनिक जीवन में समान अवसर स्वीकार हैं, तो सांस्कृतिक आयोजनों में समान भागीदारी क्यों नहीं? दूसरी ओर, यह भी उतना ही सत्य है कि भीड़ का व्यवहार हमेशा संयमित नहीं होता। होली के अवसर पर छेड़छाड़, जबरदस्ती रंग लगाने, अभद्र टिप्पणियों जैसी घटनाएँ वर्षों से समाज की चिंता का विषय रही हैं। ऐसे में अभिभावकों की आशंका को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता। उनकी चिंता केवल परंपरा की रक्षा की नहीं, बल्कि बेटियों की सुरक्षा और गरिमा की भी होती है। यहाँ सहमति की अवधारणा अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। आधुनिक समाज में किसी भी सामाजिक संपर्क का आधार स्पष्ट सहमति है। यदि कोई छात्रा या छात्र अपनी इच्छा से, सुरक्षित वातावरण में उत्सव का हिस्सा बनता है, तो उसे केवल इसलिए गलत नहीं ठहराया जा सकता कि वह परंपरागत ढाँचे से अलग है। लेकिन यदि आयोजन में सुरक्षा, निगरानी और स्पष्ट आचार-संहिता का अभाव है, तो चिंता स्वाभाविक है। विश्वविद्यालय प्रशासन की भूमिका यहाँ निर्णायक हो जाती है। किसी भी सामूहिक आयोजन में सुरक्षा व्यवस्था, शिकायत तंत्र और स्पष्ट दिशा-निर्देश अनिवार्य होने चाहिए। यह सुनिश्चित करना प्रशासन का दायित्व है कि कोई भी छात्र या छात्रा असहज महसूस न करे। नो मींस नो जैसी स्पष्ट नीति और उसकी सख्ती से पालना उत्सव को स्वस्थ बनाए रख सकती है। समाज को भी आत्ममंथन की आवश्यकता है। क्या हम बेटियों को केवल घर की मर्यादा से जोड़कर देखते हैं? क्या हम यह मान बैठे हैं कि सार्वजनिक स्थानों पर उनका सक्रिय होना स्वभावतः अनुचित है यदि बेटियाँ शिक्षा, खेल, राजनीति और व्यवसाय के क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, तो सांस्कृतिक आयोजनों में उनकी उपस्थिति को अलग कसौटी पर क्यों परखा जाए? परंपरा स्थिर नहीं होती; वह समय के साथ बदलती है। जो आज नया प्रतीत हो रहा है, वह कल सामान्य बन सकता है।

होली का आध्यात्मिक पहलू

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

फागुन के मास में हर तरफ फूल खिलते हैं तथा चारों ओर रंग-बिरंगी बहार होती है। होली का त्यौहार इसी फागुन मास में बड़े हर्षोल्लास व उत्साह के साथ मनाया जाता है, जिसमें लोग एक-दूसरे से गले लगकर होली की शुभकामनाएं देते हैं। जिस प्रकार होली के त्यौहार का एक बाहरी पहलू है जिसमें कि एक दिन होलिका जलाई जाती है तथा अगले दिन एक-दूसरे पर रंग व गुलाल डालकर इस त्यौहार को पारंपरिक रूप से मनाया जाता है लेकिन उसका एक रूहानी पहलू भी है। दुनिया में हमेशा एक दौर चलता रहता है जिसमें सच और झूठ की लड़ाई होती रहती है। सच को दबाने के लिए झूठ बड़ी कोशिश करता है कि वह किसी न किसी तरह से छुप जाए, मगर सच एक ऐसी चीज है जो कभी भी छुप नहीं सकता क्योंकि पिता-परमेश्वर सृष्टि के शुरूआत में सच थे, आज भी सच हैं और सृष्टि के अंत तक भी सच रहेगें। होली का दिन इस बात का प्रतीक है कि आखिर में सच की विजय और झूठ की हमेशा हार होती है। पूर्ण संतों के अनुसार होली जलाने का आध्यात्मिक महत्त्व यह है कि हम अपने अंदर की बुराईयों को जलाकर सदाचारी जीवन व्यतीत करें तथा जिस प्रकार हम बाहर एक-दूसरे पर रंग व गुलाल डालकर इस त्यौहार को मनाते हैं, उसी प्रकार हम पूर्ण गुरु की सहायता से ध्यान-अभ्यास द्वारा अपने अंतर में प्रभु के विभिन्न रंगों को देखकर सच्ची होली अपने अंतर में खेंले। इस त्यौहार का एक अन्य पहलू एक दूसरे पर रंग लगाना भी है। होली पर लोग सफेद कपडे. पहनते है जिसका एक आध्यात्मिक पहलू भी है। सफेद रंग में अन्य सभी रंग शामिल है। इसी तरह पिता-परमेश्वर हम सबके भीतर हैं। जिस प्रकार सफेद रंग सभी रंगों का स्त्रोत है उसी प्रकार पिता-परमेश्वर सारी सृष्टि के स्त्रोत हैं। जिस प्रकार होली में विभिन्न रंग हमारे कपड़ों पर बहुरंगी आकृति बनाते हैं और हम उन आकृतियों को बदलने की कोशिश नहीं करते, उसी प्रकार हमें अपने जीवन में एक-दूसरे को प्रेमपूर्वक स्वीकार करना चाहिए। अगर हम एक देश या समुदाय के सदस्य हैं तो हमें दूसरों को उसी तरह स्वीकार करना चाहिए जिस तरह पिता-परमेश्वर सभी को स्वीकार करते हैं। आओ होली के इस त्यौहार पर हम सब अपने अंदर फैली सभी बुराइयों को जलाकर व एक-दूसरे पर प्रेम व भाईचारे का रंग डालते हुए मनुष्य जीवन के मुख्य उद्देश्य को प्राप्त करें।

चौथी बार फाइनल में स्थान बनाने के मकसद से उतरेगा भारत

भारत दो बार की चैम्पियन वेस्ट इंडीज को अपने अंतिम सुपर 8 में पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में पहुंची

8 मार्च को फाइनल

नई दिल्ली, 3 मार्च सूर्य कुमार यादव की अगआई में मौजूदा चैंपियन भारत दो बार चैंपियन की वेस्ट इंडीज को कोलकाता में अपने अंतिम सुपर 8 में पांच विकेट से हरा सेमीफाइनल में स्थान बनाने के बाद अब इंग्लैंड पर भी मुंबई में बृहस्पतिवार को वानखेड़े मैदान पर जीत के साथ के पुरुष आईसीसी टी 20 क्रिकेट विश्व कप रिकॉर्ड चौथी बार फाइनल में स्थान बनाने के मकसद से उतरेगा। भारत को इस नॉकआउट सेमीफाइनल में इंग्लैंड सरीखी दुनिया की बेहतरीन टीम पर जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा।

दोनों में जो भी टीम जीत फाइनल में पहुंचेगी उसके पास रिकॉर्ड तीसरी बार खिताब जीतने का मौका होगा। दोनों टीमें लगातार तीसरे संस्करण के सेमीफाइनल में आमने सामने होंगी। दोनों ही टीमों ने मौजूदा संस्करण में अपने अपने सेमीफाइनल तक के सफर में सात सात मैचों में अब तक केवल एक एक मैच ही हारा है। भारत सुपर 8 में ग्रुप 1 में पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से 76 से हारा जबकि इंग्लैंड को इकलौती हार वेस्ट इंडीज के हाथों ग्रुप सी में 30 रन से झेलनी पड़ी। भारत ने इस संस्करण में अपना अभियान ग्रुप ए में वानखेड़े के मैदान पर अमेरिका को 29 रन से और इग्लैंड से नेपाल को ग्रुप सी में चार रन से हरा कर शुरू किया था। भारत के कप्तान सूर्य कुमार यादव के लिए वानखेड़े स्टेडियम उनका घरेलू मैदान है और इसके मिजाज से अपने प्रतिद्वंद्वी हैरी ब्रुक्स से कही बेहतर ढंग से वाकिफ हैं।

भारत और इंग्लैंड के बीच मुंबई में शुक्रवार को खेले जाने वाले सेमीफाइनल में क्रिस गैफेनी और अलाउद्दीन पालेकर फील्ड अंपायर होंगे। एड्रियन होल्डस्टाक तीसरे और पॉल राइफल चौथे अंपायर होंगे। भारत ने जब 2024 में इंग्लैंड पर पिछले संस्करण के सेमीफाइनल में जीत दर्ज की थी तब भी गैफेनी ही एक फील्ड अंपायर थे।

भारत के लिए सबसे सुखद यह है कि सात में से छह मैचों में उसकी हर जीत का एक अलग नायक रहा। वहीं ऑफ स्पिन ऑलराउंडर विल जैक सात मैच में सात विकेट और कुल 91 रन बनाकर चार में मैन ऑफ द' मैच रह उसकी जीत के हीरो साबित हुए हैं। कप्तान हैरी ब्रुक्स ने शतक जड़ कर इग्लैंड को पाकिस्तान के खिलाफ अहम सुपर 8 में जीत दिला सेमीफाइनल में पहुंचाया। कप्तान ब्रुक्स सहित इंग्लैंड के सभी बल्लेबाजों के लिए वानखेड़े की पिच पर भारत के अनुभवी चतुर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के साथ मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल से पार पाने की मुश्किल चुनौती होगी।

सेमीफाइनल (बृहस्पतिवार) : भारत वि इग्लैंड (वानखेड़े स्टेडियम, मुंबई): शाम 7 बजे से

भारत (2024) और इंग्लैंड (2022) के बीच अब पिछले दो टी 20 विश्व कप दो सेमीफाइनल का विजेता इसमें फाइनल भी जीत खिताब जीतने में सफल रहा है। 1983 में वन डे विश्व कप के सेमीफाइनल में भारत ने इंग्लैंड को छह विकेट से हराने के तीन दिन वेस्ट इंडीज को फाइनल में हरा कर और 2024 के टी 20 विश्व कप में इंग्लैड पर सेमीफाइनल में 68 रन से जीत के बाद दक्षिण अफ्रीका को वेस्ट इंडीज में फाइनल में हरा कर खिताब जीता था ।महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में 2007 में पहले संस्करण में तेज गेदबाज स्टुअर्ट ब्राड के एक ओवर में छह छक्कों की बदौलत भारत ने इंग्लैंड के पर यादगार जीत हासिल की थी उसकी याद देश के हर क्रिकेट प्रेमी के दिल में आज भी है। भारत वानखेड़े स्टेडियम में पांच मैच जीते और जो दो हारे उनमें से एक 2012 इंग्लैंड से हारा। वहीं इस मैदान इंग्लैंड ने अलग अलग टीमों के खिलाफ तीन मैच जीते और तीन हारे है। भारत और इंग्लैंड टी 20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में एक दूसरे के खिलाफ एक एक मैच जीते हैं। मौजूदा संस्करण और उससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ टी 20 सीरीज से आलोचकों के निशाने पर चल रहे विकेटकीपर सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने कोलकाता में रविवार को वेस्ट इंडीज के खिलाफ अहम 'क्वॉर्टर फाइनल' में अविजित 97 रन की अपने करियर की सबसे यादगार पारी खेल कर भारत को पांच विकेट से जीत दिला जिस शान से सेमीफाइनल में पहुंचा अपनी लय पाई उससे बेशक भारत को उसके घरेलू मैदान पर रोकना इंग्लैंड के लिए मुश्किल चुनौती होगा।

भारत को सेमीफाइनल तक का सफर

ग्रुप-ए

- भारत ने अमेरिका को मुंबई में 29 रन से हराया।
- भारत ने नामीबिया को दिल्ली में 93 रन से हराया।
- भारत ने पाकिस्तान को कोलंबो में 61 रन से हराया।
- भारत ने नीदरलैंड को में 17 रन से हरा अजेय रह सुपर 8 में स्थान पाया।

सुपर 8 ग्रुप 1

- भारत अहमदाबाद में दक्षिण अफ्रीका से 76 से हारा।
- भारत ने जिम्बाब्वे को चेन्नै में 72 रन से हराया।
- भारत ने वेस्ट इंडीज को कोलकाता में पांच विकेट से हराया

इंग्लैंड जैसी टीम पर जीत के लिए खास कोशिश करनी होगी : गंभीर

बावजूद इसके चीफ कोच गौतम गंभीर ने भारत की रविवार को कोलकाता में जीत के बाद कहा, 'हमें इंग्लैंड विश्व स्तरीय टीम है । इंग्लैंड की टीम में कई उत्कृष्ट खिलाड़ी हैं और वानखेड़े के मैदान पर खेलना आसान नहीं है। हमें इस मैच में कुछ खास करने का मौका मिलेगा। हम इस सेमीफाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाएंगे। हमें इंग्लैंड जैसी टीम पर जीत के लिए खास कोशिश करनी होगी। मैं सही समय में रंगत पाने की बात जैसी बातों में यकीन नहीं करता। टी 20 विश्व कप बहुत छोटा टूर्नामेंट है और इसमें आप किसी भी टीम को कम नहीं आंक सकते हैं।आपके लिए जरूरी है कि आप हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ दिखाए। किसी टीम के डेटा की बाबत जानने में मेरा बहुत यकीन नहीं है बल्कि मैं अपने मन की आवाज के मुताबिक खेलने में ज्यादा यकीन रखता हूं। मेरा मानना है कि टी 20 क्रिकेट में अपने दिल की सुन कर खेलना ज्यादा बेहतर है। मेरे पास टी 20 क्रिकेट की जो भी जानकारी है मैं उसे अपने कप्तान के साथ बांट उसकी हर मुमकिन मदद करने में यकीन करता हूं।

इंग्लैंड का सेमीफाइनल तक का सफर

ग्रुप सी

- इंग्लैंड ने मुंबई में नेपाल को मुंबई में 4 रन से हराया।
- इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड को दस गेंद के बाकी रहते कोलकाता में 5 विकेट से हराया।
- इंग्लैंड मुंबई में वेस्ट इंडीज से 30 रन से हारा।
- इंग्लैंड ने कोलकाता में इटली को 24 रन से हरा सुपर 8 में स्थान पाया

सुपर 8 ग्रुप 2

- इंग्लैंड ने श्रीलंका को पालेकल में 51 रन से हराया।
- इंग्लैंड ने हेरी ब्रुक के शतक से श्रीलंका को दो विकेट से सेमीफाइनल में स्थान पाया।
- इंग्लैंड ने कोलंबो में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराय

500 अंतरराष्ट्रीय विकेट से सिर्फ 1 कदम दूर बुमराह

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मार्च को टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का सेमीफाइनल-2 खेला जाना है। इस मुकाबले में टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत के पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में '500' विकेट के आंकड़े को छूने का गोल्डन चांस होगा। बुमराह ने साल 2016 से अब तक 234 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 20.6 की औसत के साथ 499 विकेट हासिल किए हैं। इस दौरान उन्होंने जुलाई 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ 19 रन देकर 6 विकेट निकाले थे। जसप्रीत बुमराह ने अपने टेस्ट करियर में 52 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसकी 99 पारियों में 234 विकेट हासिल किए। वहीं, 89 वनडे मुकाबलों में इस दाएं हाथ के गेंदबाज ने 149 विकेट निकाले हैं। 93 टी-20 मुकाबलों में बुमराह 116 विकेट प्राप्त कर चुके हैं। अब तक 7 भारतीय गेंदबाज अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट (वनडे, टी20 और टेस्ट) में 500 विकेट के आंकड़े को छू चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट हासिल करने वाले भारतीय खिलाड़ियों की लिस्ट में अनिल कुंबले शीर्ष पर हैं, जिन्होंने साल 1990 से 2008 के बीच 403 मैच में 30.09 की औसत के साथ 956 विकेट हासिल किए। वहीं, रविचंद्रन अश्विन ने साल 2010 से 2024 के बीच 287 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 25.8 की औसत के साथ 765 विकेट निकाले।

वनडे रैंकिंग: मंधाना बनीं नंबर-1 बल्लेबाज

- मंधाना ने एक पायदान की छलांग लगाते हुए वोल्वार्ड्ट को पछाड़ा

दुबई, 3 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना आईसीसी की ओर से जारी ताजा वनडे रैंकिंग में शीर्ष बल्लेबाज बन गई हैं। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर अलाना किंग एक पायदान ऊपर चढ़कर शीर्ष पर पहुंच गई हैं। मंधाना ने एक पायदान की छलांग लगाते हुए साउथ अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ड्ट को पछाड़ दिया है। मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध ब्रिस्बेन में खेले गए पहले वनडे मैच में 58 रन की पारी खेली थी। इसके बाद होबार्ट में 31 रन बनाए। इस बीच, किंग (775) ने गेंदबाजों की रैंकिंग में टॉप पर इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन के लगभग चार साल के राज को खत्म कर दिया। पूरे हफ्ते अलाना किंग ने 16.71 के एवरेज से 7 विकेट हासिल किए। उन्होंने भारत के विरुद्ध तीसरे वनडे मैच में 10 ओवर गेंदबाजी करते हुए 33 रन देकर 4 विकेट निकाले। उनकी इस शानदार गेंदबाजी के दम पर मेजबान टीम को 185 रन से जीत मिली। किंग के साथ टॉप आठ में चार ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हैं। ऐश गार्डनर तीसरे, एनाबेल सदरलैंड पांचवें, मेगन शुट्ट सातवें और किम गार्थ आठवें स्थान पर मौजूद हैं। घरेलू मैदान पर तीन में से दो टी-20 मैच हारने के बाद, ऑस्ट्रेलिया ने वापसी करते हुए मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के हिस्से के तौर पर तीन वनडे जीते और बेथ मूनी, ऐश गार्डनर और एलिसा हीली के जरिए सफलता हासिल की। इस सीरीज के साथ एलिसा हीली ने अपने वनडे करियर को अलविदा कह दिया। इस फॉर्मेट में अपने आखिरी मैच में शतक लगाने के बाद हीली रैंकिंग में चौथे स्थान (744) पर हैं। मूनी 749 रेटिंग के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि गार्डनर 724 रेटिंग के साथ पांचवें पायदान पर मौजूद हैं। तीनों मैच हारने के बावजूद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर (652) को रैंकिंग में फायदा मिला है। 53, 54 और 25 के स्कोर के साथ हरमनप्रीत कौर ने चार पायदान की छलांग लगाते हुए 9वां पायदान अपने नाम कर लिया है।

सेमीफाइनल में अच्छा प्रदर्शन करेगा इंग्लैंड : करन

मुंबई, 3 मार्च (एजेंसियां)। इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन का मानना है कि भारतीय हालात की जानकारी और बड़े मैचों का अनुभव उनकी टीम को टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में गुरुवार को वानखेड़े स्टेडियम में भारत का सामना करने के लिए कारगर साबित हो सकता है। मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, करन ने कहा कि भारतीय जगहों पर रेगुलर खेलने से सरप्राइज का एलिमेंट खत्म हो जाता है। उन्होंने कहा, 'इस ग्राउंड पर कई बार खेलना अच्छा लगता है, इसलिए हमारे लिए ज्यादा अनजान चीजें नहीं हैं। ' उन्होंने आगे कहा, 'हमारे पास अब दो दिन की ट्रेनिंग है, इसलिए हमें आस-पास के माहौल, चेंज रूम और ग्राउंड के साइज़ की आदत हो जाएगी। आप इन स्टेडियमों में इतना खेलते हैं कि आपको अलग-अलग हालात की आदत हो जाती है। भीड़, विरोधी टीम, हम भारतीय लोगों के साथ बहुत खेलते हैं, इसलिए इस बात में कोई सीक्रेट नहीं होगा कि हर टीम एक-दूसरे पर क्या फेंकेगी।'

अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच दुबई से वतन वापस लौटीं पीवी सिंधु

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप से अपना नाम वापस लेने के बाद भारत वापस लौट आई हैं। सिंधु कुछ समय पहले अपने इंडोनेशियाई कोच इरवांस्याह आदि प्रतामा के साथ दुबई में फंसी हुई थी, लेकिन मंगलवार को सिंधु ने सकुशल वतन वापसी की जानकारी सोशल मीडिया पर दी है। पीवी सिंधु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'बैंगलोर में सुरक्षित घर वापसी। पिछले कुछ दिन बहुत मुश्किल और अनिश्चित रहे हैं, लेकिन मैं अपने घर वापस आकर सच में शुक्रगुजार हूं। जबरदस्त ग्राउंड टीम, दुबई अथॉरिटी, एयरपोर्ट स्टाफ, इमिग्रेशन और हर उस इंसान का दिल से शुक्रिया जिन्होंने इस मुश्किल समय में आगे आकर हमारा इतना अच्छा ख्याल रखा। यह हमदर्दी और प्रोफेशनलिज्म शब्दों से ज्यादा मायने रखता है। अभी के लिए, आराम करने, खुद को रीसेट करने और अगले कदम तय करने का समय है।' अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध की वजह से दुबई के हालात सामान्य नहीं हैं। इसकी वजह से सिंधु ऑल इंग्लैंड में हिस्सा नहीं ले रही हैं। वह अगले हफ्ते स्विस ओपन में हिस्सा लेंगी। इससे पहले सिंधु ने सोशल मीडिया के जरिए अपने दुबई में फंसे होने की जानकारी देते हुए एक्स पर लिखा था, 'यह मुश्किल बढ़ती जा रही है, और हालात हर घंटे और डरावने होते जा रहे हैं। कुछ घंटे पहले, एयरपोर्ट पर हम जहां छिपे हुए थे, उसके पास एक धमाका हुआ। मेरे कोच को जल्दी से उस जगह से भागना पड़ा क्योंकि वह धुएं और मलबे के सबसे करीब थे। यह हम सभी के लिए बहुत तनाव भरा और डरावना पल था।

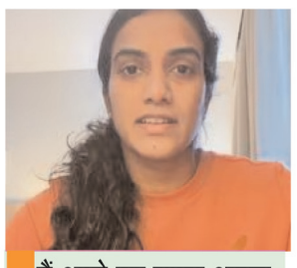

मैं अपने घर वापस आकर सच में शुक्रगुजार हूं : पीवी सिंधु

सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के सामने होगी साउथ अफ्रीका की मुश्किल चुनौती

- साउथ अफ्रीका का इस विश्व कप में रिकॉर्ड कमाल का रहा
- साउथ अफ्रीका ने पांचवीं बार टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का पहला सेमीफाइनल मुकाबला 4 मार्च को साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। इस मुकाबले की मेजबानी कोलकाता का ईडन गार्डन्स क्रिकेट स्टेडियम करेगा। साउथ अफ्रीका का इस विश्व कप में रिकॉर्ड कमाल का रहा है। प्रोटियाज टीम ने सभी मुकाबले जीतकर अंतिम चार का टिकट हासिल किया है। वहीं, मिचेल सैंटनर की अगुवाई में न्यूजीलैंड टीम ने भी दमदार खेल दिखाया है। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में साउथ अफ्रीका इकलौती टीम रही है जिसने अपने सभी मुकाबले जीते हैं। साउथ अफ्रीका ने पांचवीं बार टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई है। प्रोटियाज टीम की ओर से बल्लेबाजी में एडेन मार्करम बेहतरीन लय में दिखाई दिए हैं। मार्करम 7 मैचों में 175 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 268 रन बना चुके हैं। वहीं, रयान रिकेल्टन के बल्ले से भी लगातार रन निकल रहे हैं। रिकेल्टन 7 मैचों में 171 के स्ट्राइक रेट से 228 रन बनाए हैं। क्विंटन डी कॉक साउथ अफ्रीका को अच्छी शुरुआत देने में सफल रहे हैं। डी कॉक ने अब तक खेले 7 मुकाबलों में 171 रन बनाए हैं। लुंगी एनगिडी साउथ अफ्रीका के इस टूर्नामेंट में सबसे सफल गेंदबाज रहे हैं। एगनिडी 6 मुकाबलों में 12 विकेट निकाल चुके हैं, जबकि कॉर्बिन बॉश ने 11 विकेट चटकाए हैं। केशव महाराज की फिरकी का जादू भी खूब चला है। दूसरी तरफ, न्यूजीलैंड सुपर-8 राउंड में सिर्फ एक जीत दर्ज कर सकी थी। पाकिस्तान के खिलाफ टीम का मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया था, जबकि इंग्लैंड के हाथों टीम को 4 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी। टिम सीफर्ट ने न्यूजीलैंड की तरफ सर्वाधिक रन बनाए हैं। सीफर्ट 6 मुकाबलों में 157 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 216 रन बना चुके हैं।

मैच से पहले ईरान की महिला फुटबॉल टीम ने नहीं गाया राष्ट्रगान

- स्टेडियम में मौजूद कुछ लोगों ने इस्लामिक क्रांति से पहले के झंडे लहराए

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में जारी एएफसी एशियन कप 2026 के उद्घाटन मैच में ईरान की महिला फुटबॉल टीम ने इस्लामिक शासन का राष्ट्रगान गाने से इनकार कर दिया। साउथ कोरिया के खिलाफ मुकाबले के दौरान ईरान की महिला खिलाड़ी चुपचाप खड़ी रहीं। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रगान नहीं गाया। ईरान की महिला फुटबॉल टीम ने यह कदम ईरान से जुड़ी हालिया मिलिट्री तनातनी और जारी अंदरूनी अशांति के बाद उठाया है। इस दौरान स्टेडियम में मौजूद कुछ लोगों ने इस्लामिक क्रांति से पहले के झंडे लहराए, जबकि कई चुपचाप ये सब कुछ देखते रहे। साइडलाइन पर हेड कोच मरजियाह जाफरी ने इस मामले में कमेंट करने से इनकार कर दिया।

इसके साथ ही उन्होंने अपने मुल्क के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत पर बयान देने से भी इनकार कर दिया। कोच ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि टीम को टूर्नामेंट पर फोकस करने की जरूरत है। इजरायल और अमेरिका के हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के बाद मिडिल ईस्ट में भयंकर तनाव से गुजर रहा है। साउथ कोरिया ने यह मैच 3-0 से अपने नाम किया। चोई यू-री ने मुकाबले के 37वें मिनट गोल दागकर मैच का खाता खोला। इसके बाद किम हये-री ने 59वें और 75वें मिनट गोल दागकर टीम को 3-0 से बढ़त दिलाकर साउथ कोरिया की जीत सुनिश्चित की। ईरानी टीम का अगला लक्ष्य ब्राजील में होने वाले विमेंस वर्ल्ड कप में जगह पक्की करना है, जिसके लिए उसे कम से कम क्वार्टर फाइनल तक पहुंचना होगा। यह टीम अगला मैच गुरुवार को मेजबान ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध खेलेगी। दूसरी ओर, भारतीय टीम 4 मार्च को पर्थ में वियतनाम के विरुद्ध मुकाबले के साथ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, लेकिन ट्रेनिंग जर्सी टीम की अधिकतर खिलाड़ियों के लिए काफी छोटी निकलीं। शुरुआत में इसकी वजह परमिट में देरी बताई गई, लेकिन जब किट्स होटल पहुंचीं, तो अधिकतर खिलाड़ियों को फिट नहीं आई।

ट्रिगर टैक्टिशियंस ने कर्नाटक शूटिंग लीग का खिताब जीता

बेंगलुरु, 3 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक शूटिंग लीग का पहला सीजन 1 मार्च को दो दिन के कॉम्पिटिशन के बाद खत्म हुआ, और 28 फरवरी को ग्रुप स्टेज के मुकाबले एक शानदार फिनिश के साथ खत्म हुए। एक स्ट्रक्चर्ड टीम फॉर्मेट में मुकाबला करते हुए - जिसमें हर टीम में दो 10मी एयर राइफल शूटर, दो 10मी एयर पिस्टल शूटर, तीन 25मी पिस्टल शूटर, दो ट्रैप शूटर, एक स्कीट शूटर और एक 50मी प्रोन शूटर शामिल थे - इस लीग में इंडिविजुअल एक्सीलेंस के साथ टैक्टिकल डेप्थ भी देखने को मिली। शूटिंग लीग ऑफ़ इंडिया (जलाई) के अंडर हुई, ट्रिगर टैक्टिशियंस बिना हारे चैंपियन बनीं, उन्होंने नॉकआउट में भी अपने ग्रुप-स्टेज के शानदार फॉर्म को जारी रखा और फाइनल में बेंगलुरु ब्रिगेड के खिलाफ 8-4 से जीत हासिल की। इनके मालिक कृति, विवेक पंकज, मनिका और लवलेश कुमार गुप्ता हैं - मैनेजमेंट और एक्टिव कॉम्पिटिटर का एक अनोखा मेल जिसने पूरे सीज़न में टीम की एकजुटता को मज़बूत किया। उनका कैप्टन अलग-अलग डिसिप्लिन में कंसिस्टेंसी पर बना था। 10मी एयर राइफल में, डेरियस सौरास्त्री-एक नेशनल मेडलिस्ट और इंटरनेशनल खिलाड़ी- ने अपने पांच में से तीन मैच जीते और पुरुषों की एयर राइफल कैटेगरी में सबसे ज़्यादा स्कोर बनाया, जबकि खेलो इंडिया एथलीट सनिका ने उनके साथ मिलकर ज़रूरी जीत दिलाई। 10मी एयर पिस्टल में, यूथ एशियन मेडलिस्ट डेरेन के डॉन ने श्वेता शिवन्ना के साथ पार्टनरशिप की, जिसमें डेरेन और श्वेता ने टैक्टिशियंस के लिए अहम फाइनल मैच जीता।

सार संक्षेप

ईरान-अमेरिका हमले के बीच फंसे कैरेबियन खिलाड़ी

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 मुकाबले में हार के बाद वेस्टइंडीज के अभियान का अंत भी हो गया, लेकिन खिलाड़ी अभी तक भारत में ही हैं, क्योंकि अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्रों पर प्रतिबंध लगा हुआ है। विंडीज क्रिकेट (सीडब्ल्यूआई) ने कहा कि वह स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है और जैसे ही यात्रा की पक्की व्यवस्थाएं पूरी होंगी, बोर्ड आगे अपडेट देगा। सीडब्ल्यूआई ने एक बयान में कहा कि 'सीडब्ल्यूआई टीम और सपोर्ट स्टाफ के लिए जल्द से जल्द सुरक्षित यात्रा की व्यवस्था करने के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट कार्उंसिल (आईसीसी), संबंधित सरकारी अधिकारियों और एयरलाइन पार्टनर्स के साथ मिलकर काम कर रहा है। हमारे खिलाड़ियों, कोचों और अधिकारियों की सुरक्षा और भलाई हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।' इसके अलावा, एक सफल आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप के बाद जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम की भारत से घर वापसी में भी मिडिल ईस्ट में संकट के कारण हवाई यात्रा में रुकावटों की वजह से देरी हुई है।

एम्बाप्पे का यूसीएल मुकाबले में खेलने पर संकट

मैड्रिड। रियल मैड्रिड ने स्ट्राइकर किलियन एम्बाप्पे की मेडिकल रिपोर्ट जारी कर दी है। जारी रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांसीसी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे को बाएं घुटने में मोच आई है। क्लब ने यह रिपोर्ट उस वक्त जारी की जब एम्बाप्पे यूईएफए चैंपियंस लीग में बेनफिका के खिलाफ 2-1 से घरेलू जीत में नहीं खेल पाए थे। बता दें कि यह रिपोर्ट सोमवार को गेटाफे के खिलाफ ला लीगा के घरेलू मैच से ठीक पहले आई थी। इस मुकाबले में उन्हें टीम से बाहर रखा गया था। रियल मैड्रिड ने रिपोर्ट में कहा कि हमारे खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे की जांच फ्रांसीसी विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा रियल मैड्रिड की चिकित्सा सेवाओं की देखरेख में किया गया, जिसके बाद बाएं घुटने में मोच की पुष्टि हुई। क्लब ने एम्बाप्पे की वापसी की कोई तारीख नहीं बताई है। केवल इतना कहा कि उनकी वापसी सिर्फ सुधार पर निर्भर करेगा। घुटने की चोट से एम्बाप्पे लगभग बीते तीन महीने से परेशान हैं। वे दर्द के बावजूद खेलते रहे थे। हाल के मैचों में उनको आराम करने का फैसला करना पड़ा था। एम्बाप्पे ने रियल मैड्रिड के लिए 33 मैचों में 38 गोल और फ्रांस के लिए आठ गोल किए हैं।

प्लिमर जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज जॉर्जिया प्लिमर कंधे की चोट के कारण जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गई हैं। बेला जेम्स वनडे सीरीज के लिए प्लिमर की जगह लेंगी, जिन्हें रविवार को तीसरे टी20 से पहले प्लिमर के इंजरी कवर के तौर पर बुलाया गया था। हेड कोच बेन सॉयर ने कहा, 'जॉर्जिया हमारे लिए टॉप ऑर्डर में एक अहम खिलाड़ी हैं। वह ग्रुप में जो ऊर्जा लाती हैं। हम सच में उनकी कद्र करते हैं, इसलिए यह दुख की बात है कि वह आगामी सीरीज नहीं खेल पाएगी।' बेला जेम्स ने दिसंबर 2024 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया था और उनके खिलाफ दो मैच खेले थे। वह पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप टीम का भी हिस्सा थीं, लेकिन प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं बना सकीं।

'क्वीन' के सीक्वल की तैयारी तेज, 'क्वीन फॉरएवर' हो सकता है नया नाम

साल 2014 में रिलीज हुई 'क्वीन' की सफलता के बाद अब इसके सीक्वल को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। अभिनेत्री कंगना रनौत की इस चर्चित फिल्म का दूसरा भाग जल्द ही फ्लोर पर जा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के लिए 'क्वीन फॉरएवर' शीर्षक पर विचार किया जा रहा है और इसे अंतिम रूप देने की तैयारी चल रही है। निमार्ताओं का मानना है कि यह नाम फिल्म की थीम के अनुरूप है और आधिकारिक घोषणा जल्द की जा सकती है। सूत्रों के अनुसार, सीक्वल का निर्माण ट्रिगर हैप्पी एंटरटेनमेंट के अमित चंद्रा द्वारा किया जाएगा। फिल्म में कंगना का लोकप्रिय किरदार 'रानी' इस बार विदेश यात्रा के बजाय भारत के विभिन्न शहरों की सैर करता नजर आएगा। कहानी आत्म-खोज के नए अध्याय पर आधारित होगी, जिसमें रानी का सफर एक बार फिर उसके व्यक्तित्व में बड़ा बदलाव लाएगा। इससे पहले इस बैनर ने फरहान अख्तर की फिल्म '120 बहादुर' का निर्माण भी किया है।

गौरतलब है कि 'क्वीन' में राजकुमार राव और लीजा हेडन ने भी अहम भूमिकाएं निभाई थीं। फिल्म का निर्माण फैंटम फिल्म्स के विक्रमादित्य मोटवाने और अनुराग कश्यप ने वायकॉम18 मोशन पिक्चर्स के साथ मिलकर किया था। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से जबरदस्त सराहना मिली थी और कंगना रनौत को उनके अभिनय के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 61 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।

बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर 2' का जलवा बरकरार

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2: द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर अपनी आंधी बरकरार रखे हुए है। रिलीज के 16वें दिन भी फिल्म ने शानदार कमाई करते हुए 1000 करोड़ रुपये के जादुई आंकड़े के बेहद करीब पहुंचने का संकेत दे दिया है। फिल्म की लगातार सफलता ने इसे भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े रिकॉर्ड्स की ओर तेजी से बढ़ा दिया है। सैकनिल्क के अनुसार फिल्म ने 16वें दिन यानी तीसरे शुक्रवार को 21.55 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन 959.37 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। अब यह ऐतिहासिक 1000 करोड़ क्लब से महज 41 करोड़ रुपये दूर है। ट्रेड विश्लेषकों का मानना है कि तीसरे वीकेंड में फिल्म की कमाई में बड़ा उछाल देखने को मिलेगा, जिससे यह आंकड़ा आसानी से पार हो सकता है। फिल्म ने एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। तीसरे शुक्रवार को 21.55 करोड़ की कमाई के साथ यह बाहुबली 2: द कन्क्लूजन और पुष्पा 2: द रूल को पीछे छोड़ते हुए इस दिन की दूसरी सबसे बड़ी कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। हालांकि यह अपने प्रीक्वल 'धुरंधर' के रिकॉर्ड से थोड़ा पीछे रही, लेकिन दर्शकों के बीच इसका क्रेज लगातार बना हुआ है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी यह फिल्म साल 2025 की ब्लॉकबस्टर 'धुरंधर' का सीक्वल है। फिल्म में रणवीर सिंह के साथ आर माधवन, अर्जुन रामपाल और राकेश बेदी जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। 'धुरंधर 2' की यह सफलता न केवल निमार्ताओं के लिए, बल्कि पूरे हिंदी सिनेमा के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा रही है।

रामायण' में रणबीर कपूर का डबल रोल, राम के साथ परशुराम के किरदार में भी आएंगे नजर

रणबीर कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' को लेकर दर्शकों में उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है। हाल ही में जारी टीजर के बाद अब रणबीर कपूर ने बड़ा खुलासा करते हुए पुष्टि की है कि वह फिल्म में डबल रोल निभाते नजर आएंगे। अभिनेता न केवल भगवान राम की भूमिका में दिखेंगे, बल्कि भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम का किरदार भी निभाएंगे। रणबीर कपूर ने इस दोहरी भूमिका को अपने करियर का एक शानदार अवसर बताया है। उन्होंने कहा कि परशुराम और राम, दोनों ही आध्यात्मिक और भावनात्मक रूप से गहरे किरदार हैं, जिन्हें समझना एक अभिनेता के लिए चुनौतीपूर्ण है। रणबीर के मुताबिक, इन किरदारों की मूल भावना, उनके सिद्धांत और उद्देश्य को समझना अभिनय की सबसे अहम प्रक्रिया रही। टीजर में भी इस डबल रोल की झलक देखने को मिली थी, जहां भगवान राम के रूप में रणबीर को एक सुनहरे फरसे को पकड़ते हुए दिखाया गया, जो परशुराम का प्रतीक माना जाता है। हालांकि उस समय चेहरा स्पष्ट नहीं किया गया था, लेकिन अब अभिनेता ने इन अटकलों पर मुहर लगा दी है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में यश रावण, साई पल्लवी सीता और सनी देओल हनुमान के किरदार में नजर आएंगे। यह मेगा बजट फिल्म दिवाली 2026 के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

तमिल अभिनेत्री सुभाषिनी का निधन, इंडस्ट्री में शोक की लहर

चेन्नई

तमिल टीवी जगत की लोकप्रिय अभिनेत्री सुभाषिनी का निधन हो गया है। 36 वर्षीय श्रीलंकाई मूल की अभिनेत्री ने चेन्नई के अय्यप्पनथंगल स्थित एक निजी अपार्टमेंट में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। इस घटना के सामने आते ही टीवी इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। सुभाषिनी को टीवी शो कयाल में उनके अहम किरदार के लिए खास पहचान मिली थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, 5 अप्रैल की रात अभिनेत्री की अपने पति से वीडियो कॉल पर बहस हुई थी। बताया जा रहा है कि इस विवाद के बाद उन्होंने मानसिक तनाव में यह कदम उठाया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उनकी शरीर की जांच की तो पता चला कि उनकी मौत हो चुकी है। इसके बाद पुलिस ने उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच जारी है और पुलिस सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है। गौरतलब है कि सुभाषिनी ने अपने करियर की शुरूआत साल 2012 में फिल्म 'इनी अवन' से की थी, लेकिन उन्हें असली पहचान टीवी से मिली। उन्होंने 2023 में एल्लम मेला इरुक्किरवन पाथुप्पन में भी अहम भूमिका निभाई थी। इसके अलावा, वह कई शॉर्ट फिल्म्स और सामाजिक जागरूकता अभियानों से भी जुड़ी रही थीं। उनका जन्मदिन 12 अप्रैल को आने वाला था, जबकि 21 अप्रैल को उनकी शादी की दूसरी सालगिरह थी।

एक्शन मोड में सनी देओल, 'एंटनी' को लेकर बढ़ी एक्साइटमेंट

सनी देओल अपनी अगली एक्शन फिल्म 'एंटनी' की तैयारी में जुट गए हैं। 'बॉर्डर 2' की सफलता के बाद अब अभिनेता एक बार फिर दमदार एक्शन अवतार में नजर आने वाले हैं। फिल्म की शूटिंग का अगला शेड्यूल गोवा में रखा गया है, जहां करीब एक महीने तक बड़े स्तर पर एक्शन सीन फिल्माए जाएंगे। यह फिल्म एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बन रही है, जिसे फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी प्रोड्यूस कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की शुरूआती शूटिंग मुंबई में पूरी की जा चुकी है, जिसके बाद अब निर्देशक बालाजी गणेश गोवा में एक महीने का बड़ा शेड्यूल शुरू करने जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, फिल्म की कहानी सनी देओल के एक पुलिस ऑफिसर किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो गोवा में सक्रिय एक आपराधिक गिरोह का पदार्फाश करता है। इस दौरान कई बड़े और खतरनाक एक्शन सीक्वेंस फिल्माए जाएंगे, जिनमें सनी खुद भी हिस्सा लेते नजर आएंगे। फिल्म में ज्योतिका और विजय वर्मा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे, जहां विजय वर्मा खलनायक के रूप में दिखाई देंगे। मेकर्स नाइट शूट और हाई-ऑक्टेन स्टंट्स के जरिए फिल्म को एक बड़े एक्शन एंटरटेनर के रूप में पेश करने की तैयारी में हैं।

रश्मिका मंदाना के जन्मदिन पर 'मायसा' का दमदार लुक रिलीज

रश्मिका मंदाना की आगामी पैन-इंडिया फिल्म 'मायसा' को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। एक्ट्रेस के जन्मदिन के खास मौके पर मेकर्स ने फिल्म से उनका नया लुक जारी किया, जिसने सोशल मीडिया पर तुरंत चर्चा बटोर ली। जारी किए गए मोनोक्रोम पोस्टर में रश्मिका मंदाना एक बिल्कुल नए और इंटेंस अवतार में नजर आ रही हैं। उनके चेहरे पर धूल और खून के निशान उनके किरदार की रॉ पावर और भावनात्मक गहराई को दर्शाते हैं। इस लुक से साफ संकेत मिलता है कि फिल्म में वह एक निडर और दमदार भूमिका निभाने जा रही हैं, जो उनकी अब तक की ऑन-स्क्रीन इमेज से काफी अलग होगी। पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने रश्मिका को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि वह अपनी ग्रेस और आकर्षण से दिल जीतने के बाद अब अपने गुस्से और ताकत के साथ दर्शकों के सामने आने वाली हैं।

अनुराग कश्यप की 'देव-डी' दोबारा होगी रिलीज

अनुराग कश्यप की कल्ट क्लासिक फिल्म देव डी एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौटने जा रही है। अभय देओल, कल्कि कोचलिन और माही गिल अभिनीत यह फिल्म 24 अप्रैल को चुनिंदा सिनेमाघरों में री-रिलीज होगी। 2009 में रिलीज हुई 'देव डी' ने अपने अनोखे ट्रीटमेंट और बोल्ड नैरेटिव के जरिए निर्देशक को बॉलीवुड में एक मजबूत पहचान दिलाई थी। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अनुराग कश्यप ने फिल्म को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि 'देव डी' महज एक कहानी नहीं, बल्कि उस समय उनके भीतर के गुस्से और सिस्टम के खिलाफ एक विद्रोह का परिणाम थी। उनका उद्देश्य पारंपरिक 'देवदास' की छवि को तोड़ना और उसकी स्त्री-विरोधी सोच को चुनौती देना था। फिल्म में पारो और चंदा जैसे किरदारों को आधुनिक दृष्टिकोण के साथ पेश किया गया, जहां वे मजबूत और आत्मनिर्भर नजर आती हैं। अनुराग ने कहा कि वह दर्शकों को सुकून देने के बजाय असहज करना चाहते थे, ताकि वे माफी और जिम्मेदारी जैसे विषयों पर सोचें। उन्होंने फिल्म के अंत को भी जानबूझकर पारंपरिक सुखांत से अलग रखा। 'देव डी' दरअसल शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास 'देवदास' का आधुनिक रूपांतरण है, जिसमें अभय देओल, माही गिल और कल्कि कोचलिन ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। फिल्म की री-रिलीज को लेकर अनुराग कश्यप काफी उत्साहित हैं और उन्हें उम्मीद है कि नई पीढ़ी इस फिल्म और इसके संगीत को नए नजरिए से अपनाएगी। 'देव डी' आज भी अपने अलग अंदाज और दमदार कहानी के लिए सिनेमा प्रेमियों के बीच खास जगह रखती है।

भारत के व्हाइट-कॉलर जॉब मार्केट में फरवरी में हुई 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 3 मार्च (एजेंसियां)। भारत के व्हाइट-कॉलर जॉब मार्केट ने हाल के वर्षों में फरवरी में सबसे मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है, जिसमें सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह आंकड़ा पिछले साल फरवरी के 2,890 से बढ़कर इस बार 3,233 पर पहुंच गया। मंगलवार को जारी नौकरी जॉबस्पीक इंडेक्स की रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई।

नौकरी जॉबस्पीक इंडेक्स द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से फरवरी के बीच महीने-दर-महीने 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो आमतौर पर इन दो महीनों के बीच देखी जाने वाली 13-16 प्रतिशत वृद्धि से अधिक है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रेशर (0-3 साल अनुभव) की भर्ती में सालाना आधार पर 17 प्रतिशत की बढ़त हुई। वहीं 20 लाख रुपए प्रतिवर्ष से अधिक वेतनमान वाली नौकरियों की मांग में 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

सेक्टर के हिसाब से बीमा क्षेत्र 28 प्रतिशत वृद्धि के साथ सबसे आगे रहा। इसके बाद बीपीओ/आईटीईएस में 22 प्रतिशत, रियल एस्टेट में 19 प्रतिशत, हॉस्पिटैलिटी/ट्रैवल में 15 प्रतिशत और रिटेल में 14 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। आईटी सेक्टर में पिछले कुछ तिमाहियों की स्थिरता के बाद 6 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जबकि एआई/एमएल (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/मशीन लर्निंग) से जुड़ी नौकरियों में सालाना आधार पर 49 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी हुई। आईटी सेक्टर के भीतर 20 लाख प्रति वर्ष से कम वेतन वाले पदों पर भर्ती स्थिर रही। वहीं 20 लाख प्रति वर्ष से अधिक वेतनमान वाले पदों में वार्षिक आधार पर 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि 50 लाख प्रति वर्ष से अधिक वेतनमान वाले पदों में 45 प्रतिशत की तेज वृद्धि दर्ज की गई।

■ फ्रेशर की भर्ती में सालाना आधार पर 17 प्रतिशत की बढ़त

इस दौरान आईटी सेक्टर में फ्रेशर भर्ती 8 प्रतिशत बढ़ी। भारतीय आईटी बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी) में सालाना आधार पर 55 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि आईटी के भीतर एआई/एमएल भर्ती 40 प्रतिशत बढ़ी। कुल मिलाकर फ्रेशर भर्ती में बढ़ोतरी का नेतृत्व गैर-आईटी सेक्टर ने किया। नौकरी के चीफ बिजनेस ऑफिसर डॉ. पवन गोयल के अनुसार, 23 प्रतिशत की महीने-दर-महीने वृद्धि आईटी सेक्टर में सार्थक सुधार और भारतीय एमएनसी द्वारा एआई में मजबूत निवेश को दर्शाती है। उन्होंने कहा, 'नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत से पहले जो रफ्तार दिख रही है, वह वाकई मजबूत और सकारात्मक संकेत देती है।

बीपीओ/आईटीईएस में भर्ती 48 प्रतिशत बढ़ी, बीमा में 42 प्रतिशत, रिटेल में 39 प्रतिशत और हॉस्पिटैलिटी में 39 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं 20 लाख रुपए से अधिक वेतन वाले फ्रेशर्स पदों में 30 प्रतिशत की सालाना बढ़त देखी गई। 13-16 साल के अनुभव वाले पेशेवरों की मांग में 50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

ईरान में युद्ध लंबा चला तो बढ़ सकती हैं वैश्विक चुनौतियां : एन चंद्रशेखरन

■ फिलहाल इस युद्ध का टाटा समूह या भारत पर कोई सीधा असर नहीं पड़ा : एन चंद्रशेखरन

जमशेदपुर, 3 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध और वैश्विक परिस्थितियों को लेकर टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यदि ईरान में युद्ध लंबा खिंचता है तो इसका असर वैश्विक व्यापार और आपूर्ति व्यवस्था पर पड़ सकता है।

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी टाटा की 187वीं जयंती के अवसर पर जमशेदपुर पहुंचे थे। इस दौरान टाटा स्टील परिसर में आयोजित मुख्य समारोह में उन्होंने संस्थापक को श्रद्धांजलि अर्पित की और शहरवासियों को संस्थापक दिवस की शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि मिडिल ईस्ट क्षेत्र से टाटा समूह को लाइमस्टोन सहित अन्य कच्चे माल का आयात होता है। समूह का कारोबार वैश्विक स्तर पर फैला हुआ है, ऐसे में किसी भी लंबे युद्ध का प्रभाव सप्लाई चेन, माल की डिलीवरी, लॉजिस्टिक्स और सस्टेनेबिलिटी पर पड़ सकता है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल इस युद्ध का टाटा समूह या भारत पर कोई सीधा असर नहीं पड़ा है।

साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि टाटा समूह के कर्मचारी विश्व भर में मैन्युफैक्चरिंग, सर्विसेज, होटल और अन्य क्षेत्रों में कार्यरत हैं। ऐसे में सभी कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा समूह की सर्वोच्च प्राथमिकता है और कंपनी इस दिशा में सतर्कता के साथ आवश्यक कदम उठा रही है। रोजगार के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि नई इकाइयों की स्थापना और विस्तार योजनाओं के कारण रोजगार के अवसर लगातार बढ़ रहे हैं। पिछले पांच-छह वर्षों में समूह के कर्मचारियों की संख्या लगभग 7 लाख तक थी, लेकिन अब बढ़कर 11 लाख तक पहुंच चुकी है। वहीं आने वाले 5-6 साल में इसे 15 लाख तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

परिधान निर्यातकों ने डिमरेज शुल्क माफ करने का किया अनुरोध

नई दिल्ली। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसी) ने पश्चिम एशिया के कई देशों में हवाई क्षेत्र बंद किए जाने के कारण देश के विभिन्न हवाई अड्डे पर अटके माल के लिए डिमरेज शुल्क माफ करने का अनुरोध किया है। हवाई अड्डा या बंदरगाह समय पर माल न हटाने के लिए आयातकों और निर्यातकों से डिमरेज शुल्क वसूलते हैं। ईपीसी के अध्यक्ष ए. शक्तिवेल ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव को मौजूदा स्थिति से पैदा हुई समस्या के संबंध में एक पत्र लिखकर अवगत कराया है कि अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के बाधित होने के परिणामस्वरूप मार्ग निर्यात की खेपें वर्तमान में देश के अनेक हवाई अड्डों के कार्गो टर्मिनलों पर फंसी हुई हैं। यह देरी अप्रत्याशित कारणों से हुई है, जो नियंत्रण से बाहर हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में डिमरेज शुल्क लगाना उन निर्यातकों पर अनावश्यक वित्तीय बोझ डालेगा।

मध्य पूर्व तनाव के चलते बढ़ी सोने की चमक

मुंबई, 3 मार्च (एजेंसियां)। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और ऊर्जा कीमतों में उछाल के बीच मंगलवार को वैश्विक बाजारों में सोने की कीमतों में लगातार पांचवें सत्र में तेजी दर्ज की गई।

सोमवार को एमसीएक्स पर अप्रैल डिलीवरी वाला सोना 2.53 प्रतिशत बढ़कर 1,66,199 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं मई डिलीवरी वाली चांदी 0.90 प्रतिशत गिरकर 2,80,090 रुपए प्रति किलोग्राम रही। भारत के मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में होली के कारण मंगलवार को पहले सत्र में कारोबार बंद रहेगा और शाम 5 बजे से ट्रेडिंग फिर शुरू होगी।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से निवेशक सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। साथ ही अमेरिका में महंगाई बढ़ने और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को लंबे समय तक स्थिर रखने की आशंका भी बढ़ी है।

स्पॉट गोल्ड 0.8 प्रतिशत बढ़कर 5,360 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, जबकि अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स में करीब 1 प्रतिशत की तेजी रही। वहीं, स्पॉट सिल्वर लगभग 1.9 प्रतिशत बढ़कर 91.11 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया।

■ कीमतों में लगातार पांचवें दिन तेजी

डॉलर इंडेक्स 0.19 प्रतिशत बढ़कर 98.57 पर पहुंच गया, जिससे डॉलर आधारित सोना विदेशी खरीदारों के लिए महंगा हो गया और सोने की कीमतों में और तेजी पर कुछ रोक लगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई तब तक जारी रहेगी, जब तक जरूरत होगी।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने 583 करोड़ रुपए के सरकारी भुगतान के साथ कायम रखा भरोसा

गुड़गांव 3 मार्च (एजेंसियां)। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने चंडीगढ़ स्थित अपनी एक शाखा में हरियाणा सरकार के कुछ विभागों के खातों से जुड़े हालिया मामले पर अपनी पूर्व जानकारी का संदर्भ दिया है। प्रारंभिक जाँच में संकेत मिले हैं कि शाखा के कुछ कर्मचारियों ने कथित रूप से जाली दस्तावेज़ों और भुगतान निर्देशों को क्लियर करने में धोखाधड़ी की और संभव है कि इसमें बाहरी लोगों की मिलीभगत भी रही हो। जाँच जारी रहने के बावजूद, बैंक ने तुरंत कदम उठाते हुए हरियाणा सरकार के संबंधित विभागों द्वारा दावा की गई मूल राशि और ब्याज का 100% भुगतान कर दिया है, जिसकी कुल राशि 583 करोड़ रुपए है। अंतिम राशि में आगे किसी अतिरिक्त दावे या मिलान प्रक्रिया के आधार पर बदलाव हो सकते हैं।हरियाणा सरकार के संबंधित विभागों ने इस मामले में बैंक के सिद्धांत आधारित रुख, त्वरित कार्रवाई और पेशेवर आचरण की सराहना करते हुए, आभार व्यक्त किया है।आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने हरियाणा सरकार और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के पूर्ण सहयोग से यह स्पष्ट किया है कि वह धोखाधड़ी में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और उन्हें न्याय के कटघरे तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।बैंक वित्तीय रूप से मजबूत और बेहतर पूँजी स्थिति में है। 31 दिसंबर, 2025 तक बैंक को फिक्स्ड डिपॉजिट्स के लिए क्रिसिल द्वारा एएए रेटिंग प्राप्त है, जबकि दीर्घकालिक रेटिंग में क्रिसिल, आईसीआरए, इंडिया रेटिंग्स और केयर से एए+ रेटिंग प्राप्त है। बैंक का कुल ग्राहक व्यवसाय ऋण और जमा 5,62,090 करोड़ रुपए पर पहुँच गया है, जो साल-दर-साल 22.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। एसेट क्वालिटी मजबूत बनी हुई है, जिसमें ग्रॉस एनपीए 1.69 प्रतिशत और नेट एनपीए 0.53 प्रतिशत है। बैंक का कैपिटल एडिक्वेसी रेशियो 16.22 प्रतिशत और सीएएसए रेशियो 51.6 प्रतिशत है।बैंक की यूनिट इकोनॉमिक्स मजबूत है। वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में इसका नेट इंटरेस्ट मार्जिन 5.76 प्रतिशत रहा, जो स्वस्थ स्तर को दर्शाता है। बैंक फिलहाल निवेश चरण में है और भविष्य का एक बड़ा व विविधीकृत बैंक बनने के लिए प्रोडक्ट्स, टेक्नोलॉजी, डिस्ट्रीब्यूशन, ब्रांचेस, एटीएम, ग्रामीण बैंकिंग, कॉर्पोरेट बैंकिंग, कैश मैनेजमेंट, ट्रेड, एनआरआई, क्रेडिट कार्ड्स और अन्य यूनिवर्सल बैंकिंग सॉल्यूशंस में निवेश कर रहा है। आने वाले वर्षों में इन निवेशों का परिचालन लाभ वित्त वर्ष 27 से आय और अधिक मजबूत मुनाफे के रूप में दिखाई देने की उम्मीद है।आईडीएफसी फर्स्ट बैंक आधुनिक टेक्नोलॉजी आर्किटेक्चर और उन्नत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर आधारित है।

पाकिस्तान में 'फायरवॉल' विवाद व इंटरनेट संकट गहराया

नई दिल्ली। पाकिस्तान की इंटरनेट समस्याएं एक बार फिर चर्चा में आ गई हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले 5जी स्पेक्ट्रम ऑक्शन से पहले सरकार के तथाकथित 'फायरवॉल' सिस्टम के विरोध में अलग-अलग रिपोर्ट सामने आई हैं। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, हालिया खबरों में दावा किया गया था कि अधिकारियों ने अगले महीने प्रस्तावित 5जी नीलामी से पहले इस विवादास्पद फायरवॉल सिस्टम को बंद करने का निर्णय लिया है। हालांकि, बाद में नेशनल असेंबली की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्थायी समिति को बताया गया कि ये रिपोर्टें गलत हैं और यह प्रणाली अभी भी लागू है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिसे आमतौर पर 'फायरवॉल' कहा जाता है, उसका आधिकारिक नाम वेब मैनेजमेंट सिस्टम (डब्ल्यूएमएस) है। उन्होंने 'फायरवॉल' को आम बोलचाल का शब्द बताया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कलासो देवी के द्वारा सूचना प्रिंटर, 33 एस मॉडल टाउन मार्केट हिसार, हरियाणा से मुद्रित करवाकर बाला जी सेनेटरी स्टोर, करनाल रोड, डिफेंस कॉलोनी, गली नंबर -8, रिलायंस स्मार्ट पॉइंट के पास, कैथल से प्रकाशित। संपादक कलासो देवी। किसी भी विवाद के लिए न्याय क्षेत्र कैथल होगा। RNI No.HRHIN/26/A1127, मोबाइल नंबरः- 9499422208, Email:- Info@hindustanekta.com